RNI No: DELMUL/2012/47011

11 नवंबर, 2026 बुधवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 223

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



राहुल के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव को सही नहीं मानते दिग्गज 07

दिवाली गई! यूपीआई एमडीआर चार्ज की तैयारी

जल्द हो सकता है तारीखों का ऐलान

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिवाली का त्योहार बीत चुका है। अब भाई दूज और छठ के बीतने के साथ ही त्योहारी सीजन भी पूरी तरह से बीत जाएगा। ऐसे में अब आम जनता और देशभर के व्यापारियों की नजरें नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के अगले बड़े कदम पर टिक गई हैं। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क कब से प्रभावी होगा, इसे लेकर चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं। एनपीसीआई ने पहले एमडीआर शुल्क को 15 अक्टूबर से ही लागू करने की पूरी तैयारी कर ली थी, लेकिन त्योहारी बाजार और आम लोगों की सुविधा को देखते हुए सरकार ने इस व्यवस्था को दिवाली के बाद तक के लिए आगे टाल दिया था।

एनपीसीआई ने 13 अक्टूबर को जारी किए गए अपने एक आधिकारिक बयान में एमडीआर शुल्क को दिवाली के बाद अगली घोषणा होने तक टालने की जानकारी दी थी। यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने त्योहारों के दौरान दुकानदारों और आम खरीदारों पर किसी भी तरह का अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने से बचने के लिए इस फैसले को कुछ समय के लिए स्थगित किया था। एनपीसीआई का कहना था कि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष मर्चेंट पेमेंट्स पर एमडीआर शुल्क दिवाली के बाद लागू कर दिए जाएंगे। इसके लिए नई तारीख की आधिकारिक सूचना जल्द ही अलग से जारी की जाएगी।

नए प्रस्तावों के अनुसार 2,000 रुपये से अधिक के पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क तय किया गया है, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी। वहीं रेलवे, बीमा और पेट्रोल जैसे क्षेत्रों में 2,000 रुपये से ऊपर के लेन-देन पर 5 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन का फ्लैट शुल्क लगेगा। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार से जुड़े भुगतानों पर यह दर 0.02 प्रतिशत होगी। इसमें भी अधिकतम कैप 300 रुपये तय की गई है।

राहत की बात यह है कि यह शुल्क पूरी तरह से व्यापारियों पर लागू होगा और आम ग्राहकों को किसी भी तरह का अतिरिक्त भुगतान नहीं करना होगा। गूगल पे, फोन-पे या पेटीएम जैसे ऐप्स से भुगतान करने वाले आम यूजर्स पर इसका कोई भार नहीं आएगा। इसके अलावा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को यानी पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) पैसे भेजने की सुविधा पहले की तरह बिल्कुल मुफ्त बनी रहेगी। एनपीसीआई जल्द ही इस नई व्यवस्था की तारीखों का ऐलान कर सकता है।

दीपावली पर यूपीआई लेनदेन की संख्या 32 फीसदी बढ़कर 91.69 करोड़ रही



नई दिल्ली। दीपावली के मौके पर आखिरी समय में अधिक खरीदारी किए जाने से एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या में सालाना आधार पर 32 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के जारी आंकड़ों के अनुसार आठ नवंबर को यूपीआई के जरिये लेनदेन की संख्या बढ़कर 91.69 करोड़ (916.9 मिलियन) हो गई। पिछले साल दिवाली के दिन यूपीआई के जरिये कुल 69.57 करोड़ (695.7 मिलियन) लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के मुताबिक मूल्य के लिहाज से यूपीआई के जरिये लेनदेन बढ़कर 90,029.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले साल इसी दिन 88,350.79 करोड़ रुपये था। दिवाली से एक दिन पहले यूपीआई के जरिये लेनदेन की संख्या 97.58 करोड़ थी, जिनके माध्यम से कुल 1,36,118 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। त्योहारी खरीदारी के साथ अक्टूबर में यूपीआई लेनदेन की संख्या 25.47 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस दौरान लेनदेन का कुल मूल्य 31.53 लाख करोड़ रुपये रहा। यूपीआई एनपीसीआई द्वारा विकसित एक तत्काल भुगतान प्रणाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की पहल पर गठित एनपीसीआई देश में खुदरा भुगतान तथा निपटान प्रणालियों के संचालन के लिए शीर्ष संगठन है।

साइबर अपराधों को लेकर पुलिस अधिकारियों को कार्यशैली में बदलाव लाना चाहिए : राष्ट्रपति

वेब वार्ता, नई दिल्ली



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने साइबर अपराधों की बढ़ती गंभीरता और डीपफेक सामग्री से उत्पन्न खतरों के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों को अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस को अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने वाले अपराधियों से हमेशा एक कदम आगे रहना होगा।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 78वें बैच (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान उन्हें संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों का दायरा लगातार बढ़ रहा है और वे अधिक गंभीर होते जा रहे हैं। पुलिस को समाज में साइबर अपराधों की गंभीरता के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलानी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों में भय पैदा करने के लिए दुष्प्रचार फैलाना एक गंभीर समस्या बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से युवा वर्ग सुनियोजित दुष्प्रचार से प्रभावित हो सकता है। इस तरह की गतिविधियां स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि सतर्क और कुशल पुलिस व्यवस्था ऐसी परिस्थितियों को गंभीर रूप लेने से रोक सकती है।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के लिए पुलिस अधिकारी और सिपाही शासन-प्रशासन के प्रतीक होते हैं। जब पुलिस व्यवस्था अच्छी तरह काम करती है तो लोगों को शासन भी बेहतर महसूस होता है। पुलिस अधिकारी जब संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक लोगों की शिकायतें सुनते हैं तो इससे उनमें भरोसा और सुरक्षा की भावना पैदा होती है।

राष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि उन्हें समाज के कमजोर और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

न्यूज एक्सप्रेस

नोएडा और एनसीआर में बढ़ता प्रदूषण

नोएडा : दिवाली के बाद नोएडा और आसपास के इलाकों में हवा बेहद खराब हो गई है। नोएडा सेक्टर-1 और सेक्टर-62 में वायु गुणवत्ता सूचकांक 324 से लेकर 400 के पार पहुंच गया है।

नोएडा की फैक्ट्री में आग

नोएडा : सेक्टर-10-सेक्टर-63 स्थित एक फैक्ट्री की दूसरी मंजिल पर कपड़ों और लहंगों के निर्माण इकाई में देर रात भीषण आग लग गई, जिसे दमकल की गाड़ियों ने मशक्कत के बाद बुझाया।

सेक्टर-125 में दुकानों में आग एक जिंदा जला

नोएडा : नोएडा के सेक्टर-125 में 5 से 6 दुकानों में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई।

एक्वा लाइन मेट्रो का विस्तार

नोएडा : एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार के लिए नया सर्वे शुरू कर दिया गया है, जिसे 36 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है और ब्लू लाइन को जोड़ने के लिए 15 किमी का नया ट्रैक प्रस्तावित है।

गौड़ चौक अंडरपास का ट्रायल

नोएडा : ग्रेटर नोएडा के गौड़ चौक अंडरपास का ट्रायल शुरू हो चुका है, जिससे करीब ढाई लाख वाहनों को भयंकर जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

दीपावली आतिशबाजी से हादसे

नोएडा : नोएडा में दिवाली पर आतिशबाजी के दौरान 100 से अधिक लोग झुलसे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे शामिल हैं।

पीएनबी ग्रेटर नोएडा 20 लाख का धोखाधड़ी मामला

नोएडा : पंजाब नेशनल बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट और लॉगिन क्रेडेंशियल का दुरुपयोग कर लाखों की हेराफेरी के मामले में मुख्य आरोपी दीपांशी और आशुतोष पाठक के खिलाफ सीबीआई और पुलिस जांच तेज हुई है।

फेक वीडियो से हड़कंप

नोएडा : नोएडा की अरण्या सोसाइटी में एसी ब्लास्ट से आग लगने का झूठा एआई-जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस वीडियो बनाने वाले की तलाश कर रही है।

नया बांस गांव में बर्थडे पार्टी में खूनी संघर्ष

नोएडा : नोएडा के नया बांस गांव में एक जन्मदिन की पार्टी के दौरान आपसी विवाद में खूनी संघर्ष और हत्या की घटना सामने आई।

दिवाली पर दमकल को 50 से अधिक कॉल

नोएडा : दिवाली की रात नोएडा फायर डिपार्टमेंट को आतिशबाजी और शॉर्ट सर्किट के चलते 50 से अधिक आग लगने की सूचनाएं मिलीं।

संघर्ष को लेकर रूस-यूक्रेन सहित अन्य संबंधित पक्षों के संपर्क में भारत

कल हुई बातचीत में खाद्य गलियारे का मुद्दा शामिल

वेब वार्ता, नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन संघर्ष के संबंध में मंगलवार को कहा कि भारत क्षेत्र में शांति की वापसी में योगदान देने के लिए रूस और यूक्रेन दोनों के साथ-साथ अन्य संबंधित पक्षों के भी संपर्क में है। कल संपर्क के दौरान संघर्ष समाप्ति के साथ खाद्य गलियारे के मुद्दे पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज नियमित पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत लगातार कहता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। हाल के महीनों में प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'अंतहीन युद्ध को समाप्त करना ही होगा।' शांति स्थापित करने के इसी विचार को ध्यान में रखते हुए भारत काला सागर में जहाजरानी की सुरक्षा, अनाज और ऊर्जा निर्यात को लेकर रूस और यूक्रेन की तात्कालिक चिंताओं का समाधान और हमले रोकने की संभावनाओं जैसे मुद्दों पर बातचीत कर रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। उन्होंने मौजूदा संघर्ष, इसके मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने के विभिन्न प्रयासों पर अपने विचार साझा किए।

गृह मंत्रालय ने 11,902 जन शिकायतों और 1,666 अपीलों का किया निपटारा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लंबित मामलों के निपटारे, कार्यालयों में स्वच्छता और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चलाए गए विशेष अभियान-6 के तहत 11,902 जन शिकायतों और 1,666 अपीलों का निपटारा किया है। एक महीने तक चले इस अभियान के दौरान 78,125 वर्ग फुट कार्यालयी स्थान खाली कराया गया और कबाड़ के निस्तारण से 10.17 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि विशेष अभियान-6 दो से 31 अक्टूबर तक चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों का निपटारा, स्वच्छता को बढ़ावा देना, कार्यालय प्रबंधन में सुधार और आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना था। इस दौरान विशेष रूप से उन क्षेत्रीय और दूरस्थ कार्यालयों पर ध्यान दिया गया, जिनका आम जनता से सीधा संपर्क रहता है।

मंत्रालय के अनुसार अभियान के तहत सांसदों से प्राप्त 147 संदर्भों और राज्य सरकारों से मिले 141 संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसके अलावा 2,19,644 भौतिक फाइलों और 30,385 इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की समीक्षा की गई। पुराने और अनुपयोगी अभिलेखों के निस्तारण तथा बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन के जरिये 78,125 वर्ग फुट कार्यालयी जगह खाली कराई गई। स्वच्छता अभियान के लिए शुरुआत में 6,757 स्थलों की पहचान की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 7,963 कर दिया गया। कबाड़ के निस्तारण से 10.17 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई, जिसमें 2.63 करोड़ रुपये ई-कचरे के निस्तारण से मिले।

मंत्रालय ने बताया कि अभियान के तहत 13 अक्टूबर को एक दिवसीय विशेष गहन अभियान भी चलाया गया। इसमें पौधरोपण, व्यापक स्वच्छता अभियान और पुराने तथा अनुपयोगी अभिलेखों को हटाने जैसी गतिविधियां संचालित की गईं। अभियान में मंत्रालय के सभी विभागों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और संबद्ध संगठनों ने सक्रिय भागीदारी की।

छठ पर्व के मद्देनजर आज दिल्ली से 31 स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी

वेब वार्ता, नई दिल्ली

छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक इंतजाम किया हैं। पूर्वी भारत की ओर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। रेलवे ने 11 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 31 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बनाई है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से कुल 27 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित है। इनमें आनंद विहार टर्मिनल से 9, नई दिल्ली से 6, शकूरबस्ती से 5, दिल्ली जंक्शन से 3, हजरत निजामुद्दीन से 3 और रोहतक से एक विशेष ट्रेन शामिल है। 09 नवंबर को यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पहले से निर्धारित 23 विशेष ट्रेनों के अतिरिक्त अल्प सूचना पर 6 अनारक्षित विशेष ट्रेनें भी चलाई गई थीं। इस तरह यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे लगातार अतिरिक्त व्यवस्थाएं कर रहा है। उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधकों सहित मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की लगातार निगरानी कर रहे हैं। मंगलवार को भी भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष का दावा

दिल्ली के 36 वायु गुणवत्ता केंद्रों पर पीएम 2.5 के आंकड़े गायब, मांगा 'हवा का हिसाब'

वेब वार्ता, नई दिल्ली



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच 59 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 36 पर पीएम 2.5 के आंकड़े उपलब्ध नहीं होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकार देश को 'हवा का हिसाब' कब देगी। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय सरकार प्रचार और आरोप-प्रत्यारोप में लगी है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले साल वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के आसपास पानी के टैंकरों से छिड़काव किया गया था। उस समय प्रदूषण के आंकड़ों को धोकर कम दिखाने के आरोप लगे थे। उन्होंने दावा किया कि इस साल प्रदूषण बढ़ने के दौरान दिल्ली के 59 निगरानी केंद्रों में से 36 पर पीएम 2.5 के आंकड़े ही गायब हो गए। प्रधानमंत्री ने 8 मई 2019 को वायु प्रदूषण को बड़ी चुनौती बताया था, लेकिन उनकी सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। खरगे ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान तक लोग स्वच्छ हवा के लिए परेशान हैं। हर साल अक्टूबर से फरवरी के बीच जहरीली धुंध लौट आती है, लेकिन सरकार की ओर से आश्वासन और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी रहता है।

खरगे ने ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज और सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में दिल्ली में कण प्रदूषण के कारण 17,188 मौतें होने का अनुमान था, जो कुल मौतों का करीब 15 फीसदी है। वर्ष 2021 में भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़े कारणों से हुई। शोध में पीएम 2.5 के संपर्क को बच्चों के फेफड़ों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव और मृत्यु के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है, विशेषकर उत्तरी राज्यों में।

कपालमोचन मेले को भव्य एवं दिव्य स्वरूप देने की तैयारी

मुख्यमंत्री बोले, श्रद्धालुओं की सुविधाओं में न रहे कोई कमी

वेब वार्ता, चंडीगढ़



हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुनानगर जिले के बिलासपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कपालमोचन मेले को भव्य, दिव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाए। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक मेला प्रदेश की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इसकी गरिमा और ऐतिहासिक महत्व के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को राज्य स्तरीय कपालमोचन मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में लगभग 122 एकड़ क्षेत्र में 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल यादव, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी.बी. भारती, सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया, यमुनानगर की उपायुक्त श्रीमती प्रीति, विभाग के अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया तथा यमुनानगर के अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कपालमोचन मेले में एक भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाए, जिसमें सिखों के सभी दस गुरुओं के गौरवशाली इतिहास, उनके जीवन दर्शन, शिक्षाओं और समाज के प्रति योगदान को सचित्र रूप में प्रदर्शित किया जाए। इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की स्मृति में अम्बाला में निर्मित शहीदी स्मारक की ऐतिहासिक महत्ता को भी प्रमुखता से दर्शाया जाए, ताकि श्रद्धालु देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष से परिचित हो सकें। इसके अतिरिक्त एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लघु फिल्मों का प्रदर्शन कर प्रदेश की विकास यात्रा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को एक यादगार आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं।

सोनिया गांधी | **बहु प्रशिक्षित किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव**

मेनका-सोनिया के बीच रिश्तों में खटास की कहानी

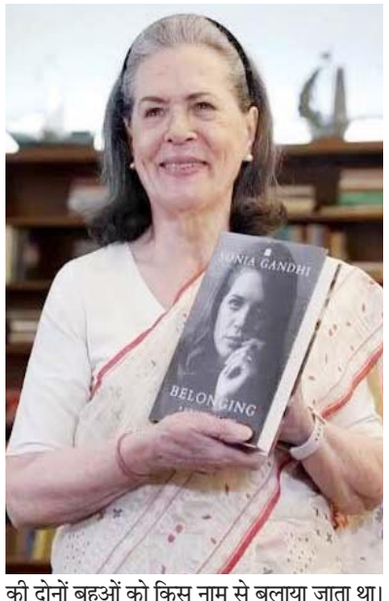
वेब वार्ता, नई दिल्ली

सोनिया गांधी की नई किताब बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव में उन्होंने अपने

और गांधी परिवार से जुड़ी कई यादों को सामने रखा है। इसी में से एक किस्सा छोटी बहुरानी मेनका गांधी का है। सोनिया ने बताया है कि कैसे 18 साल की मेनका गांधी छोटी बहू बनकर घर आईं और धीरे-धीरे उनके रिश्ते खराब हो गए।

1973 के आखिर में संजय गांधी की मुलाकात मेनका से हुई, जो एक सुंदर और चुलबुली लड़की थीं। वह संजय से 10 साल छोटी थीं और उस समय नाबालिग थीं। एक साल के भीतर ही उनकी शादी हो गई और 18 साल की मेनका गांधी परिवार का हिस्सा बन गईं। सोनिया लिखती हैं, मेनका बहुत ही जिंदादिल और बातूनी लड़की थीं, जो हमेशा जोश से भरी रहती थीं। शुरुआत में घर में एक छोटी देवरानी का होना बहुत अच्छा लगता था।

सोनिया बताती हैं कि धीरे-धीरे घर का माहौल बदलने लगा और लोगों के बीच चिड़चिड़ाहट पैदा होने लगी। इसकी शुरुआत इस बात से हुई कि घर



की दोनों बहुओं को किस नाम से बुलाया जाता था। घर का स्टाफ सोनिया को बहुरानी कहकर बुलाता था, जबकि मेनका को छोटी बहू कहा जाता था। मेनका ने शायद इसे खुद को नीचा दिखाने के तौर पर देखा।

संजय और मेनका के बीच के मतभेद अब उनके बेडरूम की चार दीवारों से बाहर आने लगे थे, क्योंकि उनके बीच होने वाली बहसें अब और तेज और तीखी होती जा रही थीं। सोनिया बताती हैं कि नाराज होने पर मेनका गाली-गलौज तक पर उतर आती थीं - यहां तक कि इंदिरा गांधी के सामने भी।

23 जून 1980 को एक विमान हादसे में संजय गांधी की मौत के बाद हालात और गंभीर हो गए। सोनिया के अनुसार, मेनका की मां पार्टी में संजय के वफादारों को उकसा रही थीं कि वे मेनका के लिए किसी राजनीतिक पद की मांग करें। लेकिन इंदिरा गांधी को लगा कि 23 साल की उम्र में मेनका अभी बहुत छोटी और अपरिपक्व हैं, जिन्हें कोई नेतृत्वकारी भूमिका नहीं दी जा सकती।

सोनिया लिखती हैं, मेनका की तंज भरी बातें लगातार परेशानी का कारण बन गई थीं। उनकी नजर में हम दुश्मन थे। उन्होंने उन पत्रकारों के जरिए हमारे बारे में तरह-तरह की बातें फैलाईं, जिनसे उनका संपर्क था।

भारत की छवि धूमिल कर रहे चीनी इन्फ्लुएंसर्स पर कार्रवाई की मांग

वेब वार्ता, नई दिल्ली



भारत ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका की झुग्गियों को नई दिल्ली बताकर भारत की छवि धूमिल करने वाले चीनी ब्लॉगर्स और इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ संबंधित अधिकारियों से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नियमित पत्रकार वार्ता के दौरान इस हरकत को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि मनगढ़ंत प्रोपेगैंडा के जरिए किसी देश की गलत तस्वीर पेश करने से इसे बढ़ावा देने वालों की साख ही खत्म होती है।

जायसवाल ने कहा, हमने इस संबंध में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। किसी भी देश की विकृत छवि प्रस्तुत करने के ऐसे प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जहां तक विदेशी तत्वों द्वारा ढाका के कुछ हिस्सों को नई दिल्ली के रूप में चित्रित करने के प्रयासों का सवाल है, झूठी कहानियों का प्रसार करने से इसमें शामिल लोगों और उनके पीछे के लोगों की विश्वसनीयता कम होती है। हम संबंधित अधिकारियों से उनके खिलाफ उचित कार्रवाई का आग्रह करते हैं।

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लगभग 150 चीनी इन्फ्लुएंसर्स और लाइवस्ट्रीमर्स ढाका के उत्तर एवं टेकपारा जैसे गरीब इलाकों में वीडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग कर रहे हैं। वे अपने चीनी दर्शकों को इन जगहों को भारत की राजधानी नई दिल्ली बताकर दिखा रहे हैं। ये चीनी नागरिक वीचैट और डौयिन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत के रहन-सहन, स्वच्छता एवं बुनियादी ढांचे को लेकर अत्यंत आपत्तिजनक दावे कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुछ वीडियो में स्थानीय चाय की दुकानों को दिखाकर गोमूत्र वाली चाय जैसे निराधार दावे भी किए गए। ये चीनी इन्फ्लुएंसर्स कम आय वाले क्षेत्रों में बिना अनुमति के लोगों के घरों के अंदर तक घुसकर वीडियो बना रहे हैं, जिससे स्थानीय लोग भी उनकी हरकतों से तंग आ चुके हैं।

राम मंदिर की दहलीज पर अखिलेश की दस्तक

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या और श्रीराम मंदिर का मुद्दा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी एवं सांसद डिंपल यादव के साथ 12 दिसंबर को अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन करने की घोषणा की है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह उनका पहला दर्शन होगा। इस घोषणा के साथ ही प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर अखिलेश यादव को अब अयोध्या की याद क्यों आई?

अयोध्या केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। वर्षों के संघर्ष और लंबे न्यायिक विवाद के बाद यहां भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहचान विश्व स्तर पर स्थापित हुई। देश-विदेश से श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर निर्माण ने भारतीय संस्कृति, आस्था और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है। लेकिन इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के बीच समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंदिर से दूरी लगातार राजनीतिक चर्चा का विषय बनी रही। भारतीय जनता पार्टी के नेता इस मुद्दे पर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी को घेरते रहे हैं। भाजपा का आरोप रहा है कि समाजवादी पार्टी ने अपने राजनीतिक समीकरणों के कारण राम मंदिर आंदोलन और हिंदुत्व के मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाने से परहेज किया। दूसरी ओर अखिलेश यादव भाजपा पर धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना रहा है कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है और राजनीति में इसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इस पूरे विवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वर्ष 1990 की अयोध्या की घटना से जुड़ी है। उस समय उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान अयोध्या पहुंचे कारसेवकों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। इस घटना ने देश की राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला। भाजपा और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े संगठन आज भी इस घटना को समाजवादी पार्टी के राजनीतिक इतिहास से जोड़कर उठाते हैं।



मुलायम सिंह यादव के उस समय के फैसले को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के अवसर पर अखिलेश यादव की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि रामभक्तों और संतों पर लाठीचार्ज तथा कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को अयोध्या आने से पहले रामभक्तों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम दयालु हैं और सभी को क्षमा कर देते हैं, लेकिन सत्ता का अहंकार समाप्त करने में भी देर नहीं लगाते।

भैया दूज: रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक



▪ ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है।

यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। ÷चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।÷ भैया दूज का



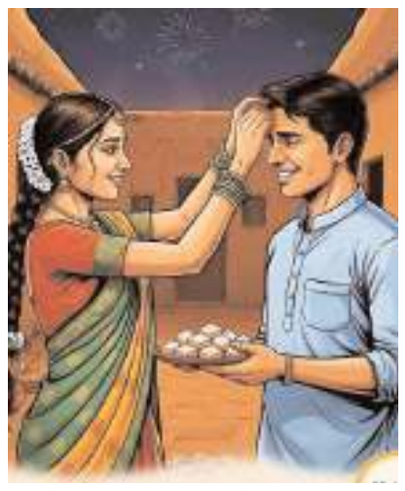
अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। ÷कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी÷ वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां ÷यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:÷ की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़े भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है।

भाईदूज पर बहन से तिलक कराना परमसौभाग्य!

द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू हो रही है और इसका समापन 11 नवंबर को दोपहर 3 बजकर 53 मिनट पर होगा। 10 नवंबर को उदया तिथि नहीं है।इसलिए भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को मनाया जा रहा है।11 नवंबर को तिलक का शुभ मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 10 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।भाई दूज के दिन भाई को तिलक लगाने का सबसे अधिक महत्व होता है। इस दिन बहन भाई का टीका करती हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। ये प्रथा सदियों पुरानी है। कहा जाता है कि इस दिन यदि विधि-विधान से पूजा की जाए, तो जीवन भर यम का भय नहीं सताता और भाई-बहनों की कभी अकाल मृत्यु नहीं होती। भाई दूज के दिन तिलक लगाने से भाई को लंबी उम्र के साथ सुख संपन्नता का आशीर्वाद भी मिलता है।मान्यता है कि इस दिन यम अपनी बहन यमुना के घर भोजन करने गए थे। ऐसे में जो बहने शादी-शुदा हैं उनके भाईयों को अपनी बहन के घर जाना चाहिए। कुंवारी लड़कियां घर पर ही भाई का तिलक करें।भाई दूज के दिन सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करते हुए पूजा अवश्य करनी चाहिए। वहीं भाई का तिलक करने के लिए पहले थाली तैयार करें उसमें रोली, अक्षत और गोला रखें तत्पश्चात भाई का तिलक करें और गोला भाई को दे दें। फिर प्रेमपूर्वक भाई को मनपसंद का भोजन करवाएं। उसके बाद भाईयों को भी अपनी बहन से आशीर्वाद लेना चाहिए और उन्हें भेंट स्वरूप कुछ उपहार देना चाहिए। भाई दूज के पर्व को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि ये पर्व भाइयों और बहनों के बीच के समर्पण का प्रतीक है। भाई दूज बहनें अपने भाई के माथे पर हल्दी और रोली का तिलक लगाती हैं। ऐसी मान्यता है कि यदि भाई बहन यमुना नदी के किनारे बैठकर भोजन करते हैं तो जीवन में समृद्धि आती है। हल्दौर के गांव चूड़ियाखेड़ा के जंगल में भाई-बहन का एक प्राचीन मंदिर आस्था का प्रतीक है। भैयादूज के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। भाई-बहन मंदिर में देव रूपी भाई-बहन के सम्मुख माथा टेक कर एक-दूसरे के जीवन की मंगल कामना करते हैं।बताते है कि सतयुग में एक भाई अपनी बहन को उसकी ससुराल से पैदल लेकर इस स्थान से होकर अपने घर लौट रहा था, इसी दौरान कुछ डाकुओं ने उसे रोक लिया और बहन के साथ बदसलूकी और अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया,उन्होंने भाई को पिटाई भी की। इसी दौरान भाई-बहन ने डाकुओं से अपनी रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और स्वयं को पाषाण बनाने की मांग की। उसी दौरान भाई-बहन पत्थर की प्रतिमा के रूप में परिवर्तित हो गए और डाकू की प्रताड़ना से बच गए। मंदिर में भाई-बहन की पत्थर की प्रतिमा देवी-देवताओं के रूप में आज भी विराजमान है।इस मंदिर की मान्यता है कि जो भाई बहन भैयादूज पर यहां पूजा अर्चना करते है उनकी मनोकामना पूरी होती है।वही बिहार के सीवान में भी भाई बहन का मंदिर आस्था का केंद्र है।भैयादूज की कहानी भी है,सूर्य भगवान की स्त्री का नाम संज्ञादेवी था, इनकी दो संताने पुत्र यमराज तथा कन्या यमुना थी. संज्ञा रानी पति सूर्य की उद्दीप्त किरणों को न सह पाने के कारण उत्तरी धुर्व परदेश की छाया में जाकर रहने लगी। उसी छाया से तापि नही तथा शनिचर का जन्म हुआ। इसी छाया से अश्विनी कुमारों का भी जन्म बतलाया जाता है जो कि देवताओं के वैद्य माने जाते हैं।



डॉ श्रोगोपाल नारसन

इधर छाया का यम तथा यमुना से विमाता सा व्यवहार होने लगा, इससे खिन्न होकर यम ने अपनी एक नई नगरी यमपुरी को बसाया, यमपुरी में पापियों को दंड देने का कार्य संपादित करते भाई को देखकर यमुना जी गो लोक में चली गई जो उस समय कृष्णावतार की भूमि थी।

बहुत समय व्यतीत हो जाने पर एक दिन सहसा यम को अपनी बहिन की याद आई, उन्होंने दूतों को भेजकर यमुना जी को बहुत खोजवाया, मगर मिल न सकी। फिर यमराज स्वयं ही गोलोक गये जहा विश्राम घाट पर यमुना जी से भेट हुई। भाई को देखते ही यमुना ने हर्ष विभोर से स्वागत सत्कार किया और उन्हें भोजन कराया, इससे प्रसन्न हो यमराज ने वर मांगने को कहा।

यमुना ने कहा- हे भैया, मैं आपसे यह वरदान माँगना चाहती हूँ कि इस दिन मेरे जल में स्नान करने वाली नर नारी यमपुरी में न जाए।

प्रश्न बड़ा कठिन था, यम के ऐसे वर से यमपुरी का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। भाई को असमंजस में देखकर यमुना बोली- आप चिंता न करे. मुझे यह वरदान दे कि जो लोग आज यानि भैया दूज के दिन अपनी बहिन के घर जाकर भोजन करके, इस मथुरा नगरी स्थित विश्राम घाट पर स्नान करे, वह तुम्हारे लोक को न जाए।इसे यमराज ने स्वीकार कर लिया। इस दिन भाई, बहन के घर जाकर भोजन करता तो सौभाग्यशाली माना जाता है।

स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा है भाई दूज

योगेश कुमार गोयल

पंचदिवसीय दीपोत्सव धनतेरस से शुरू होता है और इसका समापन भाई दूज के साथ ही होता है। भाई दूज पर बहनें अपने भाई के माथे पर सौभाग्य का तिलक करती हैं और उनके लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। हर साल यह पर्व कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को और आमतौर पर दीवाली से ठीक दो दिन बाद ही मनाया जाता है लेकिन इस वर्ष भाई दूज की तारीख को लेकर काफी भ्रम की स्थिति बरकरार रही है। कोई 10 नवंबर तो कोई 11 नवंबर को भाई दूज बता रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू हुई है और इसका समापन 11 नवंबर को दोपहर 3 बजकर 53 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार, 10 नवंबर को उदया तिथि नहीं मिल रही है, इसलिए भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को ही मनाया जाएगा। भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से 'भाई दूज' का पर्व मनाया जाने लगा। भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी।

फीचर



सर्दियों के मौसम की इस प्रकार तैयारी करें महिलाएं

सर्दियों के मौसम में अक्सर महिलाएं अपने परिवार का खास ध्यान रखती हैं। अपने परिवार के लिए पोष्ण से भरपूर डाइट तैयार करती हैं और हेल्दी लाइफस्टाइल बनाए रखती हैं।

महिलाओं को अपनी भी डाइट का उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना वह अपने फैमली मेंबर्स की डाइट का ध्यान रखती हैं। इस मौसम में सही खान-पान, व्यायाम और अपनी सेहत का ध्यान रखने के कुछ सरल उपाय अपनाकर महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं। सर्दियों में महिलाओं को फिट रहने के लिए हेल्थ केयर टिप्स अपनाने चाहिये। व्यायाम करने से शरीर में ताज़गी और सफुर्ती रहती हैं। रोज़ाना व्यायाम करने से महिलाएं शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रह सकती हैं। अपने आस-पास के पार्क में जाकर सैर करें और शारीरिक रूप से एक्टिव बनें। डेली वर्कआउट करने से आपका मूड भी अच्छा रहेगा। व्यायाम, न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करते हैं। इस मौसम में शकरकंद यानि स्वीट पोटेटो। शकरकंद का सेवन महिलाओं के लिए बेहद ज़रूरी होता है क्योंकि यह महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। एक मीडियम साइज़ शकरकंद में 100 कैलोरी और 4 ग्राम फाइबर होता है और उसके अलावा विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, बीटा कैरोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। शकरकंद सर्दियों के मौसम में काफी अच्छा माना जाता है। सर्दियों के मौसम में भरपूर नींद लेना आवश्यक है। महिलाएं अक्सर थकान और तनाव में रहती हैं। भरपूर नींद लेने से तनाव और थकान की समस्या दूर होती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सही नींद लेना बेहद ज़रूरी है। नींद से न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

प्रेरणा

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया।



किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती।

हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठ रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

अपनी बात



सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी आस्था, परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा-प्रदेश में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत दुग्ध संकलन क्षमता को 12 लाख से बढ़ाकर 52 लाख किलो प्रतिदिन करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार की मंजूरी से भोपाल में उन्नत नस्ल की गायों का भ्रूण उत्पादन केंद्र स्थापित किया जाएगा।



सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा जो राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाने, उपद्रव फैलाने, भारत की सनातन आस्था, पवित्र तीर्थ स्थलों या महापुरुषों का अपमान करने का प्रयास करेंगे, उन्हें सरकार की ओर से सख्त और कड़ा जवाब दिया जाएगा। भजपा गठबंधन सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई को मुख्य मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरेगा।

गोवा की तरह दिल्ली में भी वाटर सफारी का रोमांच

यमुना को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

क्रूज और मोटरबोट सेवा से मिलेगा मनोरंजन और पर्यटन का नया विकल्प



जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने यमुना में जेन-जी स्टाइल में जेट स्की का उठाया लुत्फ।



सोनिया विहार में 'नमो यमुना क्रूज सफारी' उद्घाटन के मंच पर उपस्थित केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद हर्ष मल्होत्रा, मनोज तिवारी, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा व अन्य। -फोटो: दयाशंकर

नई दिल्ली: अब दिल्ली वालों को गोवा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी दिल्ली में भी वाटर सफारी का रोमांच अब यमुना में भी उठाया जा सकता है।

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में शुरू की गई क्रूज सेवा के उद्घाटन अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोनिया विहार में मोटरबोट की सवारी की। इस दौरान उन्होंने यमुना में प्रस्तावित जल पर्यटन की संभावनाओं का जायजा लिया और इसे दिल्ली के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मंत्री ने मोटरबोट के जरिए यमुना नदी में सफर किया। इस दौरान उन्होंने नदी के आसपास के क्षेत्र और जलमार्ग की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यमुना केवल दिल्ली की जीवनरेखा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। लंबे समय से यमुना को स्वच्छ बनाने और इसके किनारों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब सरकार इस दिशा में ठोस पहल कर रही है।

52 किलोमीटर लंबे हिस्से के पुनर्जीवन पर काम तेज: प्रवेश साहिब सिंह

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि रिवर सफारी लोगों को यमुना से दोबारा जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता मां यमुना को स्वच्छ बनाने और उसके किनारे सुंदर रिवरफ्रंट विकसित करने की है। नदी की सफाई के बिना रिवरफ्रंट का विकास संभव नहीं है। पिछले 18-19 महीनों में दिल्ली में यमुना के 52 किलोमीटर लंबे हिस्से के पुनर्जीवन की दिशा में कई मोर्चों पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अगले चरण में वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक के हिस्से पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्य को पूरा होने में अभी दो से ढाई वर्ष का समय लग सकता है।

परिवार के साथ मनोरंजन का मिलेगा पूरा अवसर: कपिल मिश्रा

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि नमो यमुना रिवर सफारी राजधानी के पर्यटन को नया अनुभव देने वाली परियोजना है। यहां आने वाले पर्यटक यमुना के सुंदर दृश्यों का आनंद लेने के साथ मनोरंजन की विभिन्न गतिविधियों में भी हिस्सा ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि यहां म्यूजिकल फाउंटेन के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की गाथा और यमुना मैया की महिमा को संगीत के जरिए प्रस्तुत किया जाएगा। परियोजना में क्रिएटिव जोन, फूड जोन, गेमिंग एक्टिविटीज और बच्चों के लिए विशेष किड्स जोन विकसित किए गए हैं। इससे परिवार के सभी सदस्यों को एक ही स्थान पर मनोरंजन और घूमने-फिरने की सुविधाएं मिलेंगी।

यमुना की सफाई के नाम पर धोखा दे रही है भाजपा: सौरभ भारद्वाज



नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधायक कुलदीप कुमार ने मंगलवार को कालिंदी कुंज पहुंचकर यमुना के प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने यमुना के प्रदूषित पानी में सांसद मनोज तिवारी का पुतला तैराकर सरकार के यमुना सफाई के दावों पर सवाल उठाए। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार क्रूज के नाम पर यमुना में नाव चलाकर नदी साफ होने का झूठा प्रचार कर रही है। सोनिया विहार में वर्षों से बोटिंग की प्रैक्टिस होती रही है। ऐसे में पहले से चल रही नाव को क्रूज बताकर यमुना की सफाई का दावा करना दिल्ली की जनता को गुमराह करने जैसा है। उन्होंने कहा कि क्रूज में सैकड़ों लोगों के बैठने, खाने-पीने और ठहरने की व्यवस्था होती है तथा इसकी यात्रा कई दिनों तक चलती है। भाजपा ने क्रूज की परिभाषा ही बदल दी है। वहीं, विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि कालिंदी कुंज में यमुना का पानी बेहद गंदा है और यहां इतनी बदबू है कि खड़ा होना भी मुश्किल है। इसके बावजूद भाजपा सरकार नदी साफ होने का प्रचार कर रही है।

भाजपा सरकार में हर दिन बदल रही दिल्ली: पाण्डेय



यमुना नदी में क्रूज के शुभारंभ के अवसर पर भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के महामंत्री अनुपम पाण्डेय ने कहा कि पिछली सरकारों ने यमुना को साफ करने के नाम पर सिर्फ झूठी राजनीति की। मगर अब दिल्ली वाले भाजपा सरकार में सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को हर दिन बदलते हुए देख रहे हैं। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने रिकॉर्ड तोड़ समय में यमुना में क्रूज चलाकर दिल्ली और सोनिया विहार क्षेत्र को नई पहचान दी है। इससे क्षेत्र का आर्थिक विकास भी होगा।

दिवाली पर 15.45 लाख परिवारों के घर पहुंची खुशियों की गैस

सीएम रेखा गुप्ता ने डीबीटी से खातों में भेजे 141.88 करोड़ रुपये, होली के बाद दीपावली पर भी मिला मुफ्त सिलेंडर का लाभ

नई दिल्ली: दिवाली और भाई दूज के त्योहार पर दिल्ली सरकार ने राजधानी के लाखों राशन कार्डधारक परिवारों को राहत की सौगात दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 15.45 लाख से अधिक पात्र परिवारों को एलपीजी सिलेंडर के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में कुल 141.88 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की।



इस पहल से त्योहार के मौके पर लाखों परिवारों को घरेलू बजट में राहत मिलेगी और रसोई गैस के खर्च का बोझ कम होगा। कार्यक्रम में लाभार्थियों को सांकेतिक चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सांसद बांसुरी स्वराज, कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक अभय वर्मा, जितेंद्र महाजन, कुलदीप सोलंकी, चंदन चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली सरकार अपने संकल्पों को पूरा करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे जनता तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर एलपीजी सिलेंडर के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सरकार का उद्देश्य है कि त्योहारों के समय गरीब और जरूरतमंद परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक सहयोग मिले, ताकि वे भी अपने परिवार के साथ खुशियां मना सकें।

15,45,994 परिवारों को मिली आर्थिक मदद

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली की माताओं-बहनों से किए गए संकल्प को पूरा करने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दीपावली व भाई दूज के अवसर पर 15 लाख से अधिक पात्र राशन कार्डधारक परिवारों के खातों में लगभग 142 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। इससे पहले होली के अवसर पर भी पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ दिया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल त्योहारों पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि परिवारों के घरेलू खर्च को कम करना और माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना भी है।

ट्यूलिप के 4.67 लाख फूलों से महकेगी दिल्ली, नेहरू पार्क में बनेगा नया गार्डन

- **उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने लोधी गार्डन की नर्सरी का किया निरीक्षण, गमलों में भी बिकेंगे ट्यूलिप**



नई दिल्ली : अगामी वसंत में राजधानी की सड़कें, पार्क और प्रमुख चौराहे रंग-बिरंगे ट्यूलिप के फूलों से गुलजार **नई दिल्ली।**

4.67 लाख ट्यूलिप बल्ब लगाने की तैयारी है। इनमें तीन लाख ट्यूलिप नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और 1.67 लाख दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। खास बात यह है कि अब दिल्ली में ट्यूलिप के फूल खिलाने के लिए पूरी तरह विदेशों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी। एनडीएमसी ने स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप के बल्ब तैयार करने में सफलता हासिल करनी शुरू कर दी है। मंगलवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने लोधी गार्डन स्थित एनडीएमसी की नर्सरी का निरीक्षण कर इस पहल की प्रगति का जायजा लिया। एनडीएमसी के अनुसार, इस बार नेहरू पार्क में अलग से ट्यूलिप गार्डन विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा शांति पथ, 11 मूर्ति और प्रमुख गोल चक्करों पर भी ट्यूलिप लगाए जाएंगे। आम लोगों को अपने घरों में ट्यूलिप लगाने का अवसर देने के लिए एनडीएमसी गमलों में लगे ट्यूलिप की बिक्री भी करेगी। पिछले सीजन में विभिन्न आकार के करीब 40 हजार ट्यूलिप बल्ब तैयार किए गए, जिन्हें लोधी गार्डन के विशेष ग्रोथ एवं स्टोरेज चैंबर में सुरक्षित रखा गया है।

भाजपा ने सोनिया गांधी की किताब के तथ्य पर उठाए सवाल

नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा है की कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद श्री स्वर्ण मंदिर साहिब और श्री अकाल तख्त साहिब की तस्वीरें देखकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व्यथित हो गई थीं। यह कथन तथ्यों से परे और सिख समाज के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। सच्चाई यह है कि श्री स्वर्ण मंदिर साहिब अमृतसर, जो सिखों की सर्वोच्च आस्था का केंद्र है, पर हमला इंदिरा गांधी के आदेश पर ही हुआ था। जब आदेश उन्होंने ही दिया था तो उन्हें पहले से पता रहा होगा कि क्या परिणाम होंगे। ऐसे में उनके "व्यथित" होने का कोई सवाल ही नहीं उठता। वास्तव में व्यथित तो सिख समाज था। 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 1984 के बीच कांग्रेस के संरक्षण में सिखों के पूजा स्थलों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हजारों निर्दोष सिखों का नरसंहार हुआ। काश सोनिया गांधी झूठ गढ़ने की बजाय कांग्रेस द्वारा 1984 में किए गए सिख नरसंहार के लिए सिख समाज और उसकी आने वाली पीढ़ियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगतीं।



हर्ष मल्होत्रा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा किताब का एक कथन सिख समाज के घावों पर नमक छिड़कने जैसा

अब नए प्रारूप में होगी डीयू की डिग्री

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों को इस वर्ष नए प्रारूप में डिग्री प्रदान की जाएगी। डिग्री प्रमाणपत्र पर पहली बार विद्यार्थी की फोटो भी होगी। यूजीसीएफ-2022 के तहत तैयार होने वाले इस प्रारूप की डिग्रियां पहली बार 20 नवंबर को विश्वविद्यालय के 103वें दीक्षांत समारोह में दी जाएंगी। डिजिटल डिग्री, प्रोविजनल प्रमाणपत्र, अंकतालिका, ट्रांसक्रिप्ट और माइग्रेशन प्रमाणपत्र में भी संबंधित बदलाव किए जाएंगे। डिग्री में विद्यार्थी के मेजर, माइनर के साथ रिसर्च या उद्यमिता से जुड़े विकल्प का उल्लेख होगा। बीए, बीकॉम और बीएससी जैसे पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी के अध्ययन क्षेत्र और चुने गए शैक्षणिक मार्ग के अनुसार डिग्री का नाम तय होगा। विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों में संबंधित स्पेशलाइजेशन भी प्रमाणपत्र पर दर्ज किया जाएगा। डीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ. गरप्रीत सिंह टुटेजा ने बताया कि 2022 में यूजीसीएफ के तहत दाखिला लेने वाला पहला बैच नए प्रारूप में डिग्री प्राप्त करेगा।

गोसेवा, प्रकृति संरक्षण और लोकमंगल का संदेश देती है गोवर्धन पूजा : सीएम

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गोसेवा में पुण्य है, प्रकृति में परमात्मा का वास है और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में समस्त सृष्टि के कल्याण का भाव निहित है। मुख्यमंत्री ने यह बात कुंडली स्थित श्री अग्रसेन धाम में आयोजित श्री गोवर्धन पूजा महोत्सव में शामिल होने के दौरान कही। इस अवसर पर उन्होंने गोमाता की सेवा की और भगवान श्रीकृष्ण की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।



मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि गोवर्धन पूजा का पावन पर्व सनातन संस्कृति में गोसंरक्षण, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोकमंगल के शाश्वत संदेश को जीवंत करता है। यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और सभी जीवों के प्रति करुणा एवं सेवा का भाव रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भगवान गिरिराजधारी से प्रार्थना की कि समस्त समाज में सुख, समृद्धि और मंगल बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और जीवों की सेवा को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधायक अशोक गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डायबिटीज व हृदय रोगियों को संक्रमण से गंभीर खतरा, टीकाकरण बेहद जरूरी

नई दिल्ली: उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है। ऐसे में बुजुर्गों को सामान्य संक्रमण भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। फ्लू जैसे मामूली दिखने वाले संक्रमण से निमोनिया हो सकता है और डायबिटीज, हृदय रोग तथा कैंसर से पीड़ित मरीजों की स्थिति बिगड़ सकती है। कई मामलों में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की नौबत भी आ सकती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के विशेषज्ञों ने बुजुर्गों के नियमित स्वास्थ्य देखभाल में टीकाकरण को शामिल करने की सलाह दी है। एम्स के जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग और नेशनल सेंटर फॉर एजिंग के प्रमुख प्रोफेसर अविनाश चक्रवर्ती के अनुसार, टीकाकरण केवल बच्चों के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि बुजुर्गों को भी संक्रमण से बचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उम्र बढ़ने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यक्षमता कम होने की प्रक्रिया को 'इम्यूनोसिनेसेंस' कहा जाता है। इसके कारण बुजुर्गों में इन्फ्लुएंजा, न्यूमोकोकल निमोनिया और शिंगल्स जैसे संक्रमणों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा केवल बीमारी होने तक सीमित नहीं रहता। कई बार सामान्य संक्रमण भी पहले से मौजूद बीमारियों को गंभीर बना सकता है।

60 साल की उम्र का इंतजार जरूरी नहीं

प्रोफेसर चक्रवर्ती के मुताबिक, सभी टीकों के लिए एक समान उम्र निर्धारित नहीं है। टीका लगाने का समय उसकी प्रकृति, व्यक्ति की मेडिकल हिस्ट्री और जोखिम पर निर्भर करता है। उदाहरण के तौर पर, कई अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों में रिकॉम्बिनेंट शिंगल्स वैक्सीन 50 वर्ष की उम्र से लगाने की सिफारिश की गई है। इन्फ्लुएंजा का टीका सामान्यतः हर साल लगाया जाता है, जबकि 60-65 वर्ष के बाद न्यूमोकोकल वैक्सीन का महत्व बढ़ जाता है। डायबिटीज और अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पात्र बुजुर्गों को कोविड-19 और रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) से बचाव के टीकों की जरूरत भी हो सकती है। इसके लिए उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और प्रचलित चिकित्सा दिशानिर्देशों के अनुसार डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

गोवर्धन पूजा पर मंदिरों में लगा भक्तों का तांता, अन्नकूट के प्रसाद का हुआ वितरण

झंडेवाला मंदिर में गोवर्धन पूजा व अन्नकूट के प्रसाद का वितरण



नई दिल्ली : प्राचीन ऐतिहासिक झण्डेवाला देवी मन्दिर में मंगलवार को गोवर्धन पूजा धूम-धाम से की गई। इस अवसर पर मंदिर में गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बना कर उस का विधिवत पूजन किया गया। मन्दिर की महिला कीर्तन मंडली द्वारा प्रातः 10.00 बजे से ले कर मध्याह्न 12.00 बजे तक भजन कीर्तन किया गया। न्यासी व अतिरिक्त प्रबंधक रवींद्र गोयल ने बताया कि दोपहर 12.00 बजे मन्दिर की आरती के पश्चात गोवर्धन महाराज का विधिवत पूजन व आरती की गई व उसके पश्चात् भक्तों को निकासी द्वार पर अन्नकूट के भंडारे के प्रसाद का वितरण किया गया।

श्रीराम हनुमान वाटिका मंदिर में भगवान को लगाया 56 भोग

नई दिल्ली :



आसफ अली रोड स्थित हनुमान वाटिका मंदिर में मंगलवार को गोवर्धन पूजा की गई और अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के महंत श्रीरामगोपाल दास महात्यागी महाराज की अगुवाई में भगवान की आरती की गई। इस दौरान भगवान को 56 प्रकार के मिष्ठान व पकवानों का भोग लगाया गया। वहीं इससे पहले गोवर्धन भगवान की गोबर की आकृति बना कर उसका विधिवत पूजन किया गया। इस मौके पर पूर्व पार्षद अशोक जैन व राकेश कुमार, मनोज गुप्ता, पवन झलानी, प्रदीप वर्मा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। इस मौके पर पंडित अजय याज्ञनिक ने भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान किया गया। महंत श्रीरामगोपालदास महात्यागी महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

अक्षरधाम में अन्नकूट दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई दिल्ली: स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान के समक्ष 1,256 शुद्ध सात्विक शाकाहारी व्यंजनों का अन्नकूट भोग अर्पित किया गया। अन्नकूट का अर्थ है 'अन्न का पर्वत'। यह उत्सव भगवान द्वारा प्रदत्त अन्न, द्रव्य, धन आदि की हमें प्राप्ति हुई है, इसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में इस दिन से नए वर्ष का भी शुभारंभ होता है। दिल्ली अक्षरधाम के मुख्य कार्यवाहक संत मुनिवत्सल दास स्वामीजी ने कहा कि भगवान स्वामिनारायण के समय से चली आ रही दिव्य परंपरा का निर्वहन करते हुए बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था विश्व भर के 1,800 से अधिक मंदिरों में अपार भक्ति और एकता के साथ अन्नकूट मनाती है।



गोवर्धन-अन्नकूट पर्व मनाया

नई दिल्ली: शालीमार बाग में गोवर्धन पूजा पर मंदिरों में सत्संग के बाद अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। बीडब्लयू ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर कमेटी के कार्यकारी प्रधान संजीव अग्रवाल की टीम ने गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा के साथ दूध चढ़ाने की व्यवस्था करवाई। श्री दुर्गा मंदिर, बी.पी. ब्लाक में गोवर्धन पर्वत पूजा की गई। भगवान श्रीकृष्ण व राधा जी का भव्य श्रृंगार दर्शनीय था। महामंत्री सुनील सिंघल ने आरती के बाद प्रसाद वितरित करवाया। इस मौके पर पूर्व विधायक रामकिशन सिंघल, मार्गदर्शक धर्मपाल गुप्ता, प्रधान टी.आर. गर्ग, उपप्रधान श्री अरुण गर्ग व कोषाध्यक्ष सुदेश गोयल की टीम उपस्थित रही। श्री राधा कृष्ण धाम बीके बीएल ब्लॉक शालीमार बाग द्वारा आयोजित अन्नकूट प्रसाद व गोवर्धन पूजा समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता व पार्षद अनीता जैन मुख्य अतिथि रहे। मुख्य यजमान कृष्ण कुमार गुप्ता, दिलीप गुप्ता, सुरेश गर्ग, अजय गुप्ता, राजकुमार गुप्ता चेयरमैन, मधु गोपाल गोयल, संजय कौशिक व अजय जिन्दल ने भगवान गोवर्धन की पूजा की। प्रधान बृज मोहन गुप्ता, महामंत्री रमेश गर्ग, प्रवक्ता संजय गुप्ता व कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता ने आरती के उपरांत प्रसाद वितरित किया।



सीएम योगी के नेतृत्व में डिजिटल शिक्षा से संवर रहा परिषदीय विद्यालयों का भविष्य

14,988 विद्यालय आईसीटी लैब से आच्छादित

वेब वार्ता, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब गांव के बच्चे भी डिजिटल तकनीक, आधुनिक विज्ञान और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों से परिचित हो रहे हैं। प्रदेश के 14,988 परिषदीय विद्यालयों में संचालित आईसीटी लैब विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान से जोड़कर उनके भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर रही हैं। प्रदेश सरकार का यह प्रयास शिक्षा को परंपरागत दायरे से आगे ले जाकर आधुनिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के नए अवसर उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए सक्षम बनाने की दिशा में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। परिषदीय विद्यालयों में आईसीटी लैब विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। डिजिटल शैक्षिक सामग्री और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से बच्चों को विषयों को समझने के नए अवसर मिल रहे हैं। विज्ञान और गणित जैसे विषयों को डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करने से सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक और सहज बन रही है। तकनीक आधारित शिक्षण विद्यार्थियों में जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर रहा है। आईसीटी लैब के माध्यम से बच्चों को डिजिटल दुनिया से परिचित कराने के साथ उन्हें भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।आईसीटी लैब विद्यार्थियों को डिजिटल उपकरणों के उपयोग, सूचनाओं की समझ और तकनीक के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया से परिचित कराने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

डिजिटल साक्षरता आज के समय में शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ऐसे में परिषदीय विद्यालयों में तकनीक आधारित शिक्षण बच्चों को आधुनिक ज्ञान से जोड़ने के साथ उनकी समस्या समाधान क्षमता, तार्किक चिंतन और रचनात्मकता को विकसित करने में सहायक बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी भविष्य में तकनीकी रूप से सक्षम नागरिक बन सकें।

सीएम योगी की पराली प्रबंधन पहल से किसानों को मिला नया रास्ता

लखनऊ : योगी सरकार प्रदेश में पराली प्रबंधन को किसानों के लिए आर्थिक अवसर में बदलने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जोर फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग सुनिश्चित करने पर है। इसके तहत पराली को बायोगैस उत्पादन से जोड़कर किसानों को अतिरिक्त आय, खेतों को जैविक खाद और पर्यावरण को प्रदूषण से राहत देने की पहल की जा रही है। इस व्यवस्था से पराली अब किसानों के लिए समस्या नहीं, बल्कि कमाई का नया जरिया बन रही है। प्रदेश में अभी 40 बायोगैस प्लांट संचालित हैं और निकट भविष्य में 78 और प्लांट स्थापित किए जाने हैं।

बाराबंकी के हरख ब्लॉक स्थित करामतखेड़ा गांव के योगेश इसका उदाहरण हैं। वह साल में गेहूं, धान और आलू की तीन फसलें उगाते हैं। पहले एक फसल की कटाई के बाद खेतों में बची पराली उनके लिए बड़ी परेशानी बन जाती थी। उसे जलाने पर जुर्माने का डर और खेत में छोड़ने पर अगली फसल की बुआई में देरी की आशंका रहती थी। लेकिन अब फसल कटते ही पराली खेत से उठ जाती है और वह समय से अगली फसल की तैयारी शुरू कर देते हैं।

टिकरा गांव के किसान बलराम बताते हैं कि पराली बायोगैस प्लांट तक पहुंचने से उसके निस्तारण पर होने वाला खर्च बच रहा है। पहले एक एकड़ खेत से पराली हटाने पर करीब 2,500 से 3,000 रुपये तक खर्च करने पड़ते थे। कई बार समय पर खेत खाली करने के दबाव में किसान पराली जलाने को मजबूर हो जाते थे। इससे पर्यावरण के साथ मिट्टी की सेहत और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को भी नुकसान पहुंचता था। अब पराली का इस्तेमाल बायोगैस बनाने में हो रहा है और प्रसंस्करण के बाद बचने वाले जैविक अवशेष को खाद के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

अंडमान में मौजूद हैं आर्थिक व पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं : डॉ. दिनेश शर्मा

वेब वार्ता, लखनऊ/श्रीविजयपुरम



अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल एवं पूर्व राज्य सभा सांसद, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि द्वीप समूह में आर्थिक एवं पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्राकृतिक सौन्दर्य से समृद्ध अंडमान देश के लिए सामरिक दृष्ट से काफ़ी महत्वपूर्ण है। आने वाले समय में ये भारत की आर्थिक तरक्की का केंद्र बनने जा रहा है। अंग्रेजों ने उसे काला पानी बनाया था पर आज वो देश के लिए अमृत पानी की तरह है।

उप राज्यपाल ने कहा कि 836 द्वीप के इस समूह में से 31 पर ही आबादी है तथा शेष पर प्राकृतिक सौंदर्य बिखरा हुआ है। पर्यटन की दृष्टि से तमाम संभावनाएं हैं। वहाँ के समुद्र तट दुनिया के खूबसूरत तट की श्रेणी में शामिल है। समुद्र का नीला पानी और आस पास की हरियाली प्रकृति का शानदार नज़ारा देती है जो हमेशा के लिए मन मस्तिष्क में बस जाता है। पर्यटन विकास के लिए वहाँ से अंतरराष्ट्रीय उड़ानो की शुरुआत भविष्य में हो सकती है। दिसम्बर में एशिया के 10 देशों के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए अंडमान आमंत्रित किया गया है। उड़ानो की संख्या में वृद्धि की गई है। डॉ शर्मा ने कहा कि पर्यटन विकास के साथ ही अंडमान को डेस्टिनेशन वेडिंग का पसंदीदा स्थान बनाने की दिशा में भी कवायद शुरू की जा रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा जिससे पर्यटक आने के लिया आकर्षित हो।सेल्यूलर जेल का लाइट एंड साउंड शो स्वतंत्रता सेनानियों की ऐसी कहानी कहता है दर्शकों की आंखे नम हो जाती है। विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की कार्ययोजना बन रही है जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को पंख लग सके। जल क्रीड़ा और दिवसीय पर्यटन की अनुमतियों की प्रक्रिया डिजिटल हुई है। पक्षी अवलोकन और कारवां पर्यटन को प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास की रफ़्तार के साथ जनजातीय संरक्षण का भी ध्यान रखा जा रहा है। जलवायु का संतुलन और रोज़गार के नए अवसर भी प्राथमिकता में शामिल हैं। मत्स्य पालन को प्रोत्साहन और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से काम किया जा रहा है।

मानदेय बढ़ने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के परिवारों की दिवाली हुई और खुशहाल

वेब वार्ता, लखनऊ

योगी सरकार की ओर से बढ़ाए गए मानदेय ने इस बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की दिवाली को पहले से अधिक खुशहाल बना दिया। हर महीने मिलने वाली बढ़ी हुई राशि ने न केवल उनके घरेलू बजट को राहत दी, बल्कि त्योहार की तैयारियों और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में भी मदद की। सीमित आमदनी में घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहीं इन कर्मियों के लिए मानदेय वृद्धि आर्थिक संबल बनकर आई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई, घर के जरूरी सामान और दिवाली त्योहार की खरीदारी के लिए पहले की तरह अतिरिक्त चिंता नहीं करनी पड़ी। इस साल सब कुछ बड़ी सरलता के साथ हुआ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूजा ने बताया कि मानदेय में बढ़ोतरी से उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। पहले सीमित आमदनी में घर का खर्च चलाने के साथ बच्चों की पढ़ाई और दूसरी जरूरतें पूरी करना मुश्किल होता था। अब हर महीने अतिरिक्त राशि मिलने से घरेलू बजट संभालना आसान हुआ है। बच्चों के लिए जरूरी सामान खरीदने, त्योहार की तैयारी करने और कुछ पैसे बचाने का अवसर भी मिल रहा है। दिवाली पर बढ़े मानदेय का लाभ साफ दिखाई दिया। परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मनाने में आर्थिक परेशानी पहले से कम रही।

सहायिका सीमा ने कहा कि मानदेय बढ़ने के साथ परिवार को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलना भी बड़ी राहत है। इससे बीमारी के समय इलाज के खर्च की चिंता कम हुई है।

योगी सरकार ने कार्यकर्ताओं का मानदेय आठ हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये और सहायिकाओं का चार हजार से बढ़ाकर छह हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। वर्ष 2017 में कार्यकर्ताओं को तीन हजार और सहायिकाओं को महज 1,500 रुपये मिलते थे। इस तरह नौ वर्षों में मानदेय चार गुना तक पहुंच गया है। प्रदेश की 1,75,982 कार्यकर्ताओं और 1,70,656 सहायिकाओं समेत 3.46 लाख से अधिक कर्मियों को इसका लाभ मिल रहा है। कार्यकर्ताओं को हर महीने चार हजार और सहायिकाओं को दो हजार रुपये अतिरिक्त मिल रहे हैं।

दीपोत्सव से अयोध्या के होमस्टे कारोबार को मिली नई रफ्तार, संचालकों की बढ़ी कमाई

वेब वार्ता, लखनऊ/अयोध्या

अयोध्या में दीपोत्सव-2026 की भव्यता ने इस बार पर्यटन कारोबार को भी नई ऊंचाई दी। 36 लाख दीपों से जगमगाई रामनगरी और 2100 ड्रोन्स का भव्य शो देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक पहुंचे। श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद का असर शहर के होटल और होमस्टे कारोबार पर भी दिखाई दिया। खास बात यह रही कि पर्यटकों ने होटलों के साथ-साथ स्थानीय परिवारों की ओर से संचालित होमस्टे में भी ठहरने को प्राथमिकता दी। इससे होमस्टे संचालकों की कमाई बढ़ी और कई परिवारों को अपने ही शहर में रोजगार के नए अवसर मिले।

दीपोत्सव के दौरान एक से सात नवंबर तक अयोध्या में करीब 15 लाख पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में आठ लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ था। वहीं, रामलला के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी पिछले वर्ष के पांच लाख से बढ़कर इस बार करीब 10 लाख हो गई। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से स्थानीय कारोबार को भी अच्छा लाभ मिला। होमस्टे संचालकों के मुताबिक, दीपोत्सव के दौरान उनके यहां कमरों की मांग सामान्य दिनों के मुकाबले काफी अधिक रही। कई पर्यटकों ने एक-दो दिन के बजाय अधिक समय तक रुकना पसंद किया।

श्रीरामदूत निवास होमस्टे के संचालक वासुदेव मौर्य ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में कारोबार में करीब 120 से 130 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। उनके यहां सभी कमरे बुक रहे। महाराष्ट्र से आए कई पर्यटकों ने अपना प्रवास भी बढ़ाया। घर का बना खाना, पारिवारिक माहौल और हनुमानगढ़ी के लड्डू मेहमानों को खूब पसंद आए। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को श्रीराम मंदिर, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, गुप्तार घाट और सरयू आरती के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रतिदिन 1000 से 1200 रुपये किराये पर कमरे उपलब्ध होने के कारण पर्यटकों को होमस्टे किफायती विकल्प लगा।

कुसुम होमस्टे के संचालक अविनाश कुसुम ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान उनके यहां रोजाना कमरे भरे रहे। परिवार के साथ आने वाले पर्यटकों ने बाहर के खाने के बजाय घर में तैयार ताजा भोजन पसंद किया। छोटे बच्चों के लिए हल्का भोजन और गर्म पानी जैसी सुविधाओं से मेहमानों को काफी सहूलियत मिली। कई पर्यटकों ने यहां के माहौल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें अपने किसी रिश्तेदार के घर ठहरने जैसा अनुभव हुआ।

श्री शिवाय होमस्टे के संचालक प्रवीण मिश्रा के मुताबिक, दीपोत्सव के दौरान उनके यहां कमरों की मांग इतनी अधिक रही कि शत-प्रतिशत बुकिंग के बाद भी पर्यटकों का आना बंद नहीं हुआ। गुजरात समेत कई राज्यों से आए पर्यटकों ने घरेलू माहौल और आतिथ्य की सराहना की। प्रवीण ने कहा कि दीपोत्सव के दौरान मिले अच्छे कारोबार से परिवार की आमदनी बढ़ी है और होमस्टे उनके लिए रोजगार का बेहतर माध्यम बनकर उभरा है।

होमस्टे कारोबार से महिलाओं को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। पूनम होमस्टे की संचालक पूनम सोनकर ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान उनके यहां 80 प्रतिशत कमरे बुक रहे। कई मेहमानों ने अपना ठहराव भी बढ़ाया। उन्होंने पर्यटकों का स्वागत अयोध्या के प्रसिद्ध खुर्चन पेड़े से किया। पूनम ने बताया कि उनके परिवार के लिए इस कारोबार का सबसे बड़ा फायदा यह रहा कि उनके बेटे ने राजस्थान के एक बड़े शहर में नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद अयोध्या में ही रहकर परिवार के कारोबार से जुड़ने का फैसला किया। अब इस कारोबार में दो अन्य लोगों को भी रोजगार मिला है।

निराश्रित गोवंश का सहारा बनी योगी सरकार, ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

वेब वार्ता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गोसंरक्षण के लिए केवल निराश्रित गोवंश को आश्रय देने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे गोसंवर्धन, दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के व्यापक अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गोवंश के संरक्षण के लिए आश्रय स्थलों के विस्तार से लेकर पशुपालकों को प्रोत्साहन, पशु चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और देशी गोवंश के संवर्धन तक कई स्तरों पर कार्य किए हैं। प्रदेश में 7,500 से अधिक गो-आश्रय स्थलों के माध्यम से 12,38,181 गोवंश को संरक्षण दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 1,82,231 गोवंश इच्छुक कृषक एवं पशुपालक परिवारों को सुपुर्द किए गए हैं। इस प्रकार गोसेवा को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आजीविका और रोजगार से जोड़ने की दिशा में भी काम हो रहा है। प्रदेश में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए व्यापक व्यवस्था विकसित की गई है। इसके तहत 6,440 अस्थायी गो-आश्रय स्थल, 507 गोवंश वन्य विहार एवं वृहद गोसंरक्षण केंद्र, 253 कांजी हाउस और 319 कान्हा गोशालाएं संचालित की जा रही हैं। इन सभी केंद्रों में कुल 12,38,181 गोवंश को संरक्षित किया गया है। योगी सरकार का प्रयास है कि निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ उनके भरण-पोषण और स्वास्थ्य की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निराश्रित गोवंश के संरक्षण में आम लोगों और पशुपालक परिवारों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सहभागिता योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत 1,82,231 गोवंश इच्छुक कृषक एवं पशुपालक परिवारों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। इनके भरण-पोषण के लिए निर्धारित डेढ़ हजार रुपये हर माह प्रति गोवंश की दर से डीबीटी के माध्यम से सीधे भुगतान किया जा रहा है। इससे एक ओर निराश्रित गोवंश को परिवारों के बीच संरक्षण मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में गोसेवा के प्रति जनभागीदारी भी बढ़ रही है।

गोवर्धन पूजा एवं भंडारे में शामिल हुए समाजसेवी मुकेश शर्मा

वेब वार्ता, नोएडा



गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर नोएडा की होम्स-121 एवं क्लियो काउंटी सोसायटी में आयोजित गोवर्धन पूजा, भंडारे एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रमों में समाजसेवी एवं प्रोमेथियस स्कूल के संस्थापक मुकेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दोनों सोसायटियों के आयोजकों एवं निवासियों ने उनका पटका पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुकेश शर्मा ने कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए प्रसाद वितरण की सेवा की तथा उपस्थित लोगों के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। होम्स-121 सोसायटी में आयोजित कार्यक्रम में नीरज अग्रवाल, कार्तिक सिंघल, मनीष अग्रवाल, सत्यम पांडेय, प्रदीप चौधरी, आलोक गुप्ता एवं निमित अग्रवाल सहित अनेक निवासी उपस्थित रहे। वहीं, क्लियो काउंटी सोसायटी में आयोजित कार्यक्रम में सौरभ टोला, सुरेश अग्रवाल, मुकेश सिंघल, अतुल गुप्ता, प्रवीण गोयल, हितेंद्र सिंह रावत, तुषार गोयल एवं मधुर गुप्ता सहित आयोजन से जुड़े अनेक गणमान्य लोग एवं निवासी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुकेश शर्मा ने दोनों सोसायटियों के आयोजकों एवं निवासियों का आत्मीय स्वागत, स्नेह और सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इतने भव्य स्तर पर गोवर्धन पूजा एवं भंडारे के आयोजन के लिए पूरी आयोजन टीम को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों का विशेष महत्व है।

सीसीटीएनएस रैंकिंग सुधारने को डीसीपी सेंट्रल ने ली कंप्यूटर ऑपरेटरों की गोष्ठी



नोएडा : पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह द्वारा सेंट्रल नोएडा जोन के समस्त थानों के कंप्यूटर ऑपरेटरों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान थानों पर संचालित विभिन्न कार्यों एवं सीसीटीएनएस के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही सीसीटीएनएस की मासिक रैंकिंग में सुधार लाने के उद्देश्य से संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीसीपी सेंट्रल ने गोष्ठी में सभी थानों का दैनिक डेटा नियमित रूप से सिंक्रोनाइज करने, एमएलसी एवं पीएमआर की शत-प्रतिशत ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीएनएस की मासिक रैंकिंग में निर्धारित सभी मानकों एवं बिंदुओं पर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने सभी कंप्यूटर ऑपरेटरों को निर्देशित किया कि थानों पर होने वाले सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा डेटा फीडिंग एवं सिंक्रोनाइजेशन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

छठ पूजा पर्व के दृष्टिगत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

ग्रेटर नोएडा/गौरव शर्मा

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह ने जनपद के समस्त जनमानस से छठ पूजा पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से मनाए जाने की अपील की है। छठ पूजा के अवसर पर विभिन्न घाटों, तालाबों, नदियों एवं अन्य जलाशयों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्रित होने की संभावना रहती है। ऐसे में किसी भी संभावित दुर्घटना, जल दुर्घटना, आगजनी अथवा अन्य आपातकालीन स्थिति से बचाव हेतु प्रत्येक जनमानस का सतर्क एवं जिम्मेदार रहना अत्यंत आवश्यक है।आयोजित पर्व के दौरान स्वयं सुरक्षित रहें तथा दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपुष्ट सूचनाओं को सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखें तथा प्रशासन को तत्काल सूचित करें। सामूहिक सहयोग, सतर्कता एवं सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए छठ पूजा पर्व को सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

श्रीजी गौ सदन, नोएडा में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया गोवर्धन पूजा महोत्सव



वेब वार्ता, नोएडा

श्रीजी गौ सदन, नोएडा द्वारा गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं गौसेवा के संकल्प को समर्पित भव्य गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में गौमाता एवं भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए गौसेवा, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस उपलक्ष्य पर गाय स्नान घर , गोवर्धन श्री कृष्ण की प्रतिमा एवं श्री जी वाटिका का लोकार्पण हुआ

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंकज सिंह, विधायक नोएडा की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.एन. मिश्रा, आईपीएस एवं ए.के. अरोड़ा, जीएम, नोएडा प्राधिकरण उपस्थित रहे कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने वालों में गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी; महेश चौहान, अध्यक्ष, महानगर नोएडा; श्री मनोज गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, महानगर नोएडा; श्री विपिन मल्हन, अध्यक्ष, नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन एवं संजय बाली, सांसद प्रतिनिधि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इस्कॉन मंदिर में सूजी के हलवे से बना विशाल गोवर्धन पर्वत रहा आकर्षण का केंद्र

मथुराः कान्हा की नगरी धर्मनगरी वृन्दावन में पांच दिवसीय दीवाली महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार शाम गोवर्धन पूजा का पर्व अन्नकूट महोत्सव के रूप में बड़े ही धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। घरों से लेकर मंदिरों तक गोवर्धन पूजा की विशेष धूम देखने को मिली, जहाँ श्रद्धालुओं ने गोबर से गोवर्धन महाराज का स्वरूप बनाकर पुष्पों से सजाया और विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग अर्पित किया। मंदिरों में भी खाद्य सामग्रियों से गोवर्धन पर्वत का भव्य स्वरूप तैयार कर प्राचीन परंपरा का निर्वहन किया गया। देश-विदेश के भक्तों में दिखा उत्साहगोवर्धन पूजा का उल्लास केवल ब्रजवासियों में ही नहीं, बल्कि देश-विदेश से आए विदेशी भक्तों में भी देखने को मिला। सभी श्रद्धालु श्रीगिरिराज महाराज की भक्ति में सराबोर नजर आए और चारों ओर श्रीकृष्ण तथा गिरिराज महाराज के जयकारे गूंजते रहे।

इस्कॉन मंदिर के नाम से प्रसिद्ध श्रीकृष्ण बलराम मंदिर की गौशाला में ब्रज की प्राचीन परंपरा के अनुसार गोबर से श्रीगोवर्धन महाराज का स्वरूप तैयार किया गया। इस उत्सव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सूजी के हलवे से एक विशाल गोवर्धन पर्वत का निर्माण किया गया। इस विशेष पर्वत को फल-फूल, मोरपंख और छप्पन प्रकार के व्यंजनों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कुण्ड और झांकियों ने खींचा ध्यानगोवर्धन पर्वत पर दर्शाए गए कुंड और विभिन्न दर्शनीय स्थलों की झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी रहीं।

इस अद्भुत सजावट को देखने के लिए सुबह से ही देश-विदेश के सैंकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे।

नोएडा में यातायात पुलिस का सघन अभियान



वेब वार्ता, नोएडा

पुलिस आयुक्त महोदया, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में और पुलिस उपायुक्त यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ने सोमवार को जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई यातायात पुलिस द्वारा मैनुअल चालान 1557 और ISTMS कैमरों के माध्यम से 2384 वाहनों के कुल 3921 ई-चालान किए गए। अभियान के दौरान 03 वाहनों को सीज भी किया गया। सबसे ज्यादा कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ हुई।

बिना हेलमेट के 1173 वाहनों के विरुद्ध ई-चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार विशेष अभियान के अंतर्गत फॉल्टी नंबर प्लेट, विपरीत दिशा में वाहन चलाने, नो पार्किंग, वायु प्रदूषण और ओवर स्पीड वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष रूप से चालानी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नो पार्किंग में खड़े 321 वाहनों, फॉल्टी नंबर प्लेट लगे 103 वाहनों, विपरीत दिशा में चल रहे 89 वाहनों, वायु प्रदूषण फैलाने वाले 95 वाहनों और ओवर स्पीड में चल रहे 532 वाहनों के विरुद्ध चालान किया गया।

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 17 नवम्बर 2026 को

वेब वार्ता, ग्रेटर नोएडा

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने सर्वसाधारण को जानकारी देते हुए बताया कि कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2027 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 17.11.2026 को किया जायेगा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल्स, 2023 के अध्याय-25 के प्रस्तर-25.3.1 के अध्याय-25 में दिये गये निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2027 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में आलेख्य प्रकाशन हेतु तैयार की जाने वाली एकीकृत विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विधान सभावार पूर्ण सेट (एक हार्ड कापी एवं दूसरा साफ्ट कापी में) समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को आलेख्य प्रकाशन दिवस दिनांक 17.11.2026 को मध्याह्न 12:00 बजे तक जिला निर्वाचन कार्यालय से उपलब्ध कराया जायेगा।

फरीदाबाद 32 लाइसेंसी हथियारों की चोरी पर मानवाधिकार आयोग सख्त

■ प्रदेश के सभी पुलिस थानों के मालखाने की सुरक्षा की समीक्षा के निर्देश

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद : हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने फरीदाबाद के सेक्टर-8 पुलिस थाने के मालखाने से 32 लाइसेंसी हथियार चोरी होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य के सभी पुलिस थानों में मालखानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने 2 नवंबर 2026 को पारित आदेश में पुलिस महानिदेशक, हरियाणा को निर्देशित किया है कि वे इस घटना के दृष्टिगत राज्यभर के पुलिस थानों में हथियारों की सुरक्षित अभिरक्षा, मालखानों तक पहुंच और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा करें।

यह मामला अधिवक्ता गीतांजलि, निवासी पंचकूला द्वारा 16 जुलाई 2026 को आयोग के समक्ष दायर शिकायत के माध्यम से उठाया था। शिकायत में कहा गया था कि 32 लाइसेंसी हथियारों के मालिकों ने कानून का पालन करते हुए अपने हथियार पुलिस थाने में सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जमा कराए थे, लेकिन पुलिस मालखाने से इन हथियारों की चोरी होना पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक को दर्शाता है। शिकायतकर्ता ने इस घटना के मानवाधिकारों पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा था कि चोरी हुए हथियारों का यदि आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल होता है, तो उनके वास्तविक मालिकों को भय, मानसिक तनाव और अनावश्यक कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि उन्होंने स्वयं कानून का पालन किया था। शिकायत में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 तथा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 3 के तहत



जीवन, स्वतंत्रता एवं सुरक्षा के अधिकार का भी उल्लेख किया गया था। इसके अतिरिक्त, पुलिस महानिदेशक, हरियाणा और पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद से रिपोर्ट मंगवाने तथा घटना के लिए जिम्मेदार लापरवाही की जांच करने का अनुरोध किया गया था। दीप भाटिया के समक्ष पुलिस उपायुक्त, फरीदाबाद द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, मोनू थाना सेक्टर-8, फरीदाबाद में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। वह थाने की दैनिक डायरी के रखरखाव में सहायता करने के साथ-साथ पुलिस मालखाने से संबंधित कार्य भी करता था। इस दौरान उसे मालखाने में रखे अभिलेखों एवं सामान की जानकारी हो गई थी। जांच के दौरान ईएसआई बिजेंद्र द्वारा हथियारों की चोरी में मोनू की संलिप्तता को लेकर संदेह व्यक्त किया गया। इसके बाद जांच एवं एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर मोनू सहित कुल 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पुलिस थाने से गायब हुए सभी हथियार आरोपियों से बरामद कर लिए गए हैं तथा मामले का चालान 6 अगस्त 2026 को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

आयोग ने कहा कि किसी पुलिस थाने से बड़ी संख्या में हथियारों की चोरी होना और उनके आपराधिक तत्वों तक पहुंचने की आशंका राज्य के नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है कि हथियारों की सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने तथा अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा उनके दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय अपनाए जाएं।

आयोग के असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉक्टर पुनीत अरोड़ा ने बताया कि पुलिस महानिदेशक, हरियाणा को वर्तमान घटना की व्यवस्थागत एवं पर्यवेक्षण संबंधी चूकों के दृष्टिकोण से भी समीक्षा करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक एवं निवारक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक, हरियाणा से राज्य स्तर पर की गई समीक्षा, अपनाए गए सुरक्षा एवं निवारक उपायों तथा सभी पुलिस थानों को जारी किए गए निर्देशों का विस्तृत विवरण देते हुए व्यापक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 11 जनवरी 2027 को गुरुग्राम स्थित न्यू पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस (बी एंड आर) में आयोजित कैम्प कोर्ट में निर्धारित की गई है।

पारिवारिक विवाद ने उजाड़ा परिवार!

■ इमराना की मौत से छह मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

नूंह : पारिवारिक और जमीन-जायदाद से जुड़े विवादों का दर्दनाक असर एक परिवार पर देखने को मिला है। पलवल जिले के घुड़ावली गांव की बेटी इमराना (40 वर्ष) की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। इमराना की शादी नूंह जिले के मालब गांव में हुई थी। उसने छह बच्चों को जन्म दिया था, लेकिन अब उन सभी बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। मां की ममता और प्यार से महरूम हुए इन छह बच्चों के भविष्य को लेकर हर किसी के मन में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अब इन मासूमों की परवरिश और देखभाल कौन करेगा।

मृतका के भाई मौसिम निवासी घुड़ावली ने थाना आकेड़ा में शिकायत देकर पारिवारिक और जमीन-जायदाद से जुड़े विवाद को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में मामले की परिस्थितियों को लेकर न्याय की मांग की गई है। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

यह घटना समाज को सोचने पर मजबूर करती है कि बड़ों के आपसी विवादों का खामियाजा अक्सर मासूम बच्चों को भुगतना पड़ता है। छह बच्चों के सिर से मां का साया उठना परिवार के लिए कभी न भरने वाला दुख है। जरूरत है कि पारिवारिक विवादों का समाधान हिंसा और दुश्मनी के बजाय बातचीत तथा कानून के दायरे में रहकर किया जाए, ताकि किसी और बच्चे का बचपन इस तरह न उजड़े।

इस बारे में आकेड़ा थाना प्रभारी रण सिंह ने बताया कि महिला के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामले में शिकायत प्राप्त हुई है और आगामी जांच जारी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को दी जाएगी पेट के कीड़े मारने की दवा

नूह : जिला सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्स्ना ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) के तहत 12 नवंबर को जिलेभर में 1 से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को पेट के कीड़े मारने की दवा (एल्बेंडाजोल) खिलाई जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक विकास में सुधार लाना है। सिविल सर्जन ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा अन्य निर्धारित स्थानों पर बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक तैयारियां की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

आंगनवाड़ी वर्कर्स एण्ड हैल्पर्स यूनियन ने मांगों के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

नूंह : आंगनवाड़ी वर्कस एण्ड हैल्पर्स यूनियन हरियाणा के बैनर तले मंगलवार को जिला नूंह की आंगनवाडी वर्करों ने एडीसी नूंह को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि गत दिनों उनके संगठन द्वारा किये गए मांगों के समर्थन में प्रदर्शन के बाद वर्करों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश से वह त्रस्त है। उनके ऊपर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाये, उनसे अभद्र व्यवहार ना किया जाये, मानदेय का सीडीपीओ द्वारा भुगतान होता है लेकिन सीडीपीओ की अनुपस्थिति में डीपीओ के पास पावर होती है लेकिन यह सब देते ही नही है। तकनीकी समस्याओं का बहाना बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कई महीनों से मानदेय नही मिलने के कारण ही वह शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रही हैं।



वहीं, सामाजिक संगठन हरियाणा करप्शन फ्री इंडिया भ्रष्टाचार मुक्त भारत ने मांग की है कि नूंह महिला एवं बाल विकास विभाग की विजिलेंस जांच होनी चाहिए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के वेतन, मानदेय एवं सरकारी भुगतान का पूरा हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए। आखिर सवाल यह है कि आंगनवाड़ी बहनों को समय पर पूरा वेतन और मानदेय मिल रहा है या नहीं, सरकारी रिकॉर्ड में कितना भुगतान दिखाया गया और वास्तविक रूप से कर्मचारियों के खातों में कितनी राशि पहुंची।

उन्होंने मांग की है कि नूंह महिला एवं बाल विकास विभाग की निष्पक्ष विजिलेंस जांच कराई जाए, आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स के वेतन और मानदेय का रिकॉर्ड जांचा जाए, सरकारी रिकॉर्ड और बैंक खातों में हुए भुगतान का मिलान किया जाए, बकाया वेतन एवं मानदेय का पूरा खुलासा किया जाए, यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आता है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो।

एनआईटी क्षेत्र में पुलिस की पाठशाला के तहत चलाया जागरूकता अभियान



वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद : सामुदायिक पुलिसिंग सेल फरीदाबाद द्वारा 10 नवंबर 2026 को हट्ढज़ जोन में पुलिस की पाठशाला के तहत नशा मुक्ति, साइबर अपराध, डायल 112, दुर्गा शक्ति ऐप एवं महिला सुरक्षा जागरूकता को लेकर डोर-टू-डोर अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान महिलाओं को डायल 112 की आपातकालीन पुलिस सहायता सेवा एवं दुर्गा शक्ति ऐप की जानकारी देकर किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही आमजन को नशे के दुष्प्रभावों एवं साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, युवाओं को सार्वजनिक स्थानों पर बाइक एवं अन्य वाहनों से खतरनाक स्टंट न करने की हिदायत दी गई। उन्हें समझाया गया कि इस प्रकार के स्टंट स्वयं के साथ-साथ अन्य राहगीरों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकते हैं। पुलिस ने युवाओं एवं अभिभावकों से यातायात नियमों की पालना करने तथा सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

एसपीओ प्रदीप कुमार का आकस्मिक निधन, क्षेत्र में दौड़ी शोक की लहर

■ कनीना कोर्ट की एसडीजेएम व जेएमआईसी सहित बार एसोसिएशन ने जताया शोक

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

कनीना : कनीना कोर्ट सुरक्षा में तैनात एसपीओ एवं गांव पथरवा निवासी तथा भारतीय सेना के पूर्व हवलदार प्रदीप कुमार का सोमवार को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। वे घर पर टीवी देख रहे थे। उनके निधन के समाचार से गांव सहित पुलिस महकमे व कोर्ट कैंपस में गहरा शोक व्याप्त है। एक अनुशासित सैनिक और मिलनसार व्यक्तित्व के रूप में पहचान रखने वाले प्रदीप कुमार के जाने से पूरे इलाके ने एक सच्चा देशभक्त और



सम्मानित अभिभावक खो दिया है।

एएसआई सत्यपाल लुखी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय प्रदीप कुमार ने भारतीय सेना में लंबे समय तक हवलदार के पद पर अपनी सेवाएं दीं और पूरी निष्ठा व ईमानदारी से देश की सीमाओं की रक्षा की। सेवानिवृत्ति के बाद 2016 में हरियाणा पुलिस में एसपीओ लगे तथा सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे और गांव के युवाओं को राष्ट्र सेवा व अनुशासन के प्रति प्रेरित करते रहते थे। उनका सरल स्वभाव, परोपकारी व्यक्तित्व और जीवनभर दिए गए उच्च संस्कार सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे।

उनका आकस्मिक निधन न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। महीने भर पहले उनकी बदली महेंद्रगढ़ हो गई थी! उनके निधन की सूचना मिलते ही कनीना कोर्ट परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीजेएम प्रियंका जैन, जेएमआईसी पीयूष कुमार, बार एसोसिएशन की प्रधान राकेश यादव मानपुरा, डॉ. विपिन कुमार, नपा की चेयरपर्सन डॉ रिम्पी लोढ़ा, पूर्व चेयरमैन सतीश जेलदार, जेपी यादव, रणधीर सिंह, सुनील कुमार नम्बरदार, एडवोकेट ओपी यादव, सुधीर यादव ने उनके निधन पर शोक जताया है।

मासिक समीक्षा बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आगामी चौपाल कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार



नूंह : जिला कांग्रेस कार्यालय, नूंह में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शहीदा खान (पूर्व विधायक) ने की। इस अवसर पर नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पिछले एक महीने के दौरान किए गए संगठनात्मक कार्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही आगामी चौपाल कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार की गई और उन्हें प्रभावी ढंग से गांव-गांव तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि 'वोट बचाओ - देश बचाओ' अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर वोट चोरी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। इसके साथ ही लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता एवं आम जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला में गोवर्धन पूजा धूमधाम से आयोजित

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

नूंह : बृज चौरासी कोस के अंतर्गत आने वाले जिला में मंगलवार को गोवर्धन पूजा धूमधाम से की गई। सुबह से ही मंदिरों में अन्नकुट प्रसाद बनाकर विशाल भण्डारा किया गया। नूंह स्थित कैलाश मंदिर, श्रीब्रहा गायत्री शक्तिपीठ मनकामेश्वर मंदिर नूंह, श्री गोपाल-कृष्ण गौशाला नूंह, राधा-कृष्ण शेखर पंडित मंदिर, हनुमान मंदिर थाना के पास, भूतेश्वर, राम मंदिर, गरीबनाथ मंदिर, माता वैष्णो मंदिर, बालाजी मंदिर, तावडू स्थित प्राचीन देवीभवन मंदिर, सीताराम मंदिर हनुमान वाली गली, सनातन धर्म मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर, शिव शनि पीठ डिढारा, नगीना में प्राचीन शिव मंदिर अस्थल, श्री सीताराम मंदिर, श्री शिव मंदिर बगीची आदि



मंदिरों पर अन्नकुट का प्रसाद में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था। दोपहर को गोबर का गोवर्धन महाराज बनाकर रात्रि में सह परिवार परिक्रमा लगाकर पूजा अर्चना की। बृज चौरासी कोस के अन्तर्गत आने वाले मेवात क्षेत्र में गोवर्धन महाराज की पूजा का विशेष महत्व हैं। जब भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलाधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उँगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएँ उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकुट के नाम से मनाया जाने लगा। लोगों ने संगीतमय ढंग से बाबा का गुणगान किया। इस मौके पर गौपूजन का भी विशेष महत्व होने पर लोगों ने गोपूजन भी किया। लोगों की माने तो कई दिनों से लगातार विभिन्न उत्सव, पर्व होने की वजह से घरों में बाजारों में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए। उन व्यंजनो को खाने की वजह से पेट में कई प्रकार के विकार उत्पन्न हो जाते हैं। उन विकारों को दूर करने के लिए अन्नकुट के भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें कढ़ी, बाजारा, बैंगन, मूली, गोभी आदि की मिक्स सब्जी बनाई गई। गोवर्धन पर्व के उपलक्ष में भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें 36 बिरादरी के सदस्यों ने भंडारा में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया।

भक्तजन मास्टर सुरेश अग्रवाल, रवि प्रकाश, कपिल अग्रवाल, ज्ञानचंद, मनोज सिंगला, सुरेन्द्र जैन, सतीश सक्सेना, रजत जैन, सोनिया, पिंकी, सुनीता, भावना, कमला आदि ने बताया कि शहरी जीवन में पशुओं को कम पालने से हर बार गोवर्धन प्रतिमा के लिए गोबर का टोटा हो जाता है और जगह-जगह कई दिन पहले ही बुक कराने के बाद ही गोबर मिल पाता है इससे यह ज्ञान मिलता है कि पशुधन पालना खासकर गौवंश पालना अति आवश्यक हैं।

कार्तिक मास के उपलक्ष्य में हवन-यज्ञ व भंडारे का आयोजन



वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

करनाल : सेक्टर 13 स्थित गीता मंदिर में कार्तिक मास के पावन अवसर पर धार्मिक श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित हरीश ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ संपन्न करवाया। हवन-यज्ञ में समस्त समाज के कल्याण, विश्व शांति एवं जनहित की मंगल कामना के साथ आहुतियां अर्पित की गई। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

सोहना में गोवर्धन पर्व धूमधाम से आयोजित

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

सोहना : सोहना कस्बे में गोवर्धन पर्व की धूम रही। जगह-जगह मंदिरों में अन्नकुट का प्रसाद वितरित किया गया। जिसके चलते मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। रात्रि के समय लोगों ने गोवर्धन की पूजा अर्चना की थी।

मंगलवार को सोहना कस्बा भक्तिमय बनकर रह गया। कस्बे के अधिकांश मंदिरों में अन्नकुट का प्रसाद वितरित किया गया। उक्त प्रसाद को तैयार करने के लिए मंदिर संचालक काफी समय से जुटे हुए थे। प्रसाद को लेने के लिए लोग काफी उत्साहित नजर आए। जिसके कारण मंदिरों में दोपहर से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। कस्बे के श्री शिव कुंड, हनुमान मंदिर छोटी



बगीची, जैन मंदिर, देवी मंदिर, सैनी धर्मशाला, भैरो मंदिर, जखोपुर मंदिर आदि स्थानों पर अन्नकुट का प्रसाद तैयार करके वितरित किया गया था। जिसको बनाने के लिए लोगों ने श्रम दान किया। वहीं रात्रि के समय लोगों ने अपने घरों में गोवर्धन की पूजा अर्चना की थी। इसके अलावा क्षेत्र के भोंडसी स्थित आरबीएसएम पब्लिक स्कूल में भी गोवर्धन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्षद संदीप सिंगला पिंटू, शिव कुंड महंत चमनपुरी गोस्वामी, एडवोकेट मनोज जिंदल, गौरव सिंगला, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नरेश सैनी, पूर्व पार्षद विजय आजाद, अनिल गोयल मोंटू, विक्की सिंगला, दिनेश सिंगला, रोहित, लाला शिरोमणि जैन, राजू मित्तल आदि मौजूद रहे।

गोवर्धन पर्व पर सेक्टर-2 के निवासियों को दी पार्क को सुंदर बनाने की सौगात

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद : गोवर्धन के पावन पर्व के अवसर पर बल्लभगढ़ के सेक्टर-2 स्थित गोवर्धन पार्क के निवासियों को विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने विकास कार्यों की सौगात दी। पार्क में करीब 10 लाख रुपये की लागत से पार्क के चारों तरफ टाइल्स लगाने और नया ट्यूबवेल लगाने का कार्य कराया जाएगा। विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने स्थानीय निवासियों के हाथों नारियल तुड़वाकर विधिवत रूप से इस विकास कार्य का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा



कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। क्षेत्र के पार्कों का सौंदर्यीकरण, बेहतर रखरखाव और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पार्क किसी भी सेक्टर की सुंदरता और स्वच्छ वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। पार्क में टाइल्स और पानी के लिए नया ट्यूबेल लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोशनी की बेहतर व्यवस्था के लिए हाई मास्क लाइट पहले ही लग चुकी है जिससे स्थानीय निवासियों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी सुविधा मिल रही है। विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की मांग और जरूरत के अनुसार विकास कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने गोवर्धन पर्व पर विकास कार्यों की सौगात देने के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, पार्षद रवि भगत, पार्षद योगेश शर्मा, स्वराज भाटी, प्रधान योगेंद्र भारद्वाज, कालीचरण शर्मा, सीएम शर्मा, सुनील भट्ट, राजकुमार शर्मा, जगदीश शर्मा सहित सेक्टरवासी मौजूद रहे।

मोबाइल टावर से 48 बैटरी सेल चोरी, केस दर्ज

कनीना

कनीना सदर थाना अंतर्गत गांव नौताना में एक मोबाइल टावर से अज्ञात चोर 48 बैटरी सेल चुराकर ले गए। घटना के संबंध में पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सिक्योरिटी कंपनी के सुपरवाइजर जितेंद्र ईसराना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव नौताना में इंडस टावर लगा हुआ है। जहाँ से अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर टावर से कुल 48 बैटरी सेल चोरी कर लिए। इनमें 24 बैटरी सेल अमरराजा और 24 बैटरी सेल एक्साइड कंपनी के शामिल हैं। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

अब हर 60 दिन में होगा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला

■ भ्रष्टाचार में ट्रैफिक पुलिसकर्मी, होमगार्ड की संलिप्तता पर जेडओ, टीआई पर होगी कार्रवाई

वेब वार्ता, गुरुग्राम

भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए बड़े और सख्त कदम उठाए हैं। ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान किसी भी ट्रैफिक पुलिस कर्मी, होमगार्ड या एसपीओ की संलिप्तता पाए जाने पर अब जोनल ऑफिसर (जेडओ) और ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) की भी जिम्मेदारी तय होगी। साथ ही बॉडी वार्न कैमरा के बिना वाहन रुकवाने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इस तरह के आदेश पुलिस आयुक्त शिवास कविराज की ओर से दिए गए हैं।

पुलिस आयुक्त शिबास कबिराज ने भ्रष्टाचार, लापरवाही, अवैध वसूली, अनुचित व्यवहार सहित किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अधिकारियों को आदेश देते हुए पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने कहा कि एसीपी स्तर के अधिकारी सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से भ्रष्टाचार निरोधी निगरानी करेंगे। साथ ही प्रत्येक 60 दिन के बाद स्वचालित कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला होगा। सोशल मीडिया पर होमगार्ड द्वारा उपहार के नाम पर अवैध वसूली करने के संबंध में वायरल हुई वीडियो के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी होमगार्ड को गिरफ्तार करने के साथ ही गुरुग्राम पुलिस के सभी डीसीपी, एसीपी के माध्यम से ग्राउंड लेवल के पुलिसकर्मियों को सख्त आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी घटना की पुनरावृत्ति होने पर संबंधित क्षेत्र के जेडओ एवं टीआई की जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी।

पुलिस कंट्रोल रूम में एसीपी रैंक के अधिकारी सभी सीसीटीवी कैमरों की नियमित रूप से जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करेंगे, ताकि ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी नजर रखी जा सके। यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्यवाही बॉडी वार्न कैमरे की निगरानी में करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे तथा वाहन चालकों एवं पुलिसकर्मियों दोनों के हित सुरक्षित रहें। सीपी शिवास कविराज ने ड्यूटी में पारदर्शिता बनाए रखने, किसी एक स्थान पर लंबे समय तक तैनाती से उत्पन्न होने वाली अनियमितताओं की संभावनाओं को कम करने तथा निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 60 दिन में रैंडम कंप्यूटरीकृत ट्रांसफर की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को सीसीटीवी फुटेज का नियमित विश्लेषण करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अनियमितता के सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाइक के 67 चालान व चार लाख लाख से ज्यादा जुर्माना, जब्त

गुरुग्राम: बार-बार यातायात नियम तोड़ने वालों पर गुरुग्राम यातायात पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एक ऐसी मोटरसाइकिल को इम्पाउंड किया है, जिस पर कुल 67 चालान लंबित थे। इन चालानों की बकाया जुर्माना राशि चार लाख छह हजार 500 रुपये है।

जानकारी के अनुसार, जोनल अधिकारी दमदमा रेड लाइट पर तैनात एएसआई जयवीर तथा उनकी टीम ने चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल को जांच के लिए रुकवाया। जांच के दौरान जब बाइक का नंबर सिस्टम में डाला गया तो पुलिस भी हैरान रह गई। बाइक पर एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 67 चालान लंबित पाए गए।

जांच में सामने आया कि संबंधित मोटरसाइकिल के विरुद्ध अधिकांश चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने, बिना वैध बीमा के वाहन चलाने तथा बिना पीयूसी के वाहन चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित हैं।

ब्रीफ न्यूज

टेनेको क्लीन एयर इंडिया करेगा रणनीतिक विस्तार

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जे बनाने वाली अग्रणी कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आगे अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इसके लिए अधिग्रहण के अवसरों की तलाश में है ताकि रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बना सके। टेनेको क्लीन एयर इंडिया अपने कारोबार में विविधता लाने और उसे बढ़ाने के लिए अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि वे संबंधित क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य नए क्षेत्रों में भी विविधीकरण के अवसर तलाश रहे हैं। इसके साथ ही टेनेको ऐसे वाहन उत्पादों का दायरा भी बढ़ाएगी जो किसी एक पावरट्रेन पर निर्भर न हों, बल्कि आंतरिक दहन इंजन (आईसीई, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन, तीनों में उपयोग किए जा सकें। चंद्रा ने यह भी बताया कि कंपनी की ऑर्डर बुक बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछली तिमाही में लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और विकास क्षमता को दर्शाता है।

ज्योति लैब्स बायबैक की कीमत बढ़ी, शेयरों की संख्या घटी

नई दिल्ली। ज्योति लैब्स लिमिटेड ने अपने शेयर बायबैक प्रस्ताव में संशोधन किया है। कंपनी ने बायबैक की प्रति शेयर कीमत को 215 रुपए से बढ़ाकर 240 रुपए कर दिया है। हालांकि, बायबैक किए जाने वाले शेयरों की अधिकतम संख्या 68.37 लाख से घटाकर 61.25 लाख कर दी गई है। कंपनी की बायबैक कमेटी ने 9 नवंबर को इन बदलावों को मंजूरी दी। संशोधित शर्तों के तहत, ज्योति लैब्स अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 61.25 लाख तक फुली पेड-अप इक्विटी शेयरों का बायबैक करेगी, जो कंपनी की कुल पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल के 1.67 फीसदी के बराबर है। यह बायबैक टेंडर ऑफर रूट के जरिए आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। पुराने प्रस्ताव में कुल 147 करोड़ रुपए तक के बायबैक की घोषणा की गई थी, लेकिन संशोधित प्रस्ताव में कुल बायबैक राशि का कोई विवरण नहीं दिया गया है। शेयर बायबैक में कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स से शेयर वापस खरीदती है।

कोचीन एयरपोर्ट बार लाइसेंस रद्द, सरकार की नई नीति बनी वजह

तिरुवनंतपुरम। केरलम आबकारी विभाग ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'अर्थ लाउंज बार' को मिली एफएल-7 लाइसेंस की मंजूरी रद्द कर दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के निर्देश पर लिया गया, जिसमें सभी नए लाइसेंस आवेदनों पर 2026-27 की आबकारी नीति के तहत ही विचार करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आबकारी आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे जयशंकर आर ने लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया। यह कदम हवाई अड्डे पर बार लाइसेंस देने को लेकर चल रहे विवादों के बीच आया है। इससे पहले, तत्कालीन आबकारी आयुक्त का तबादला भी हुआ था। विभाग ने नेदुंबस्सेरी स्थित एक निजी होटल समूह को 23 जून, 2026 को आवेदन पर टर्मिनल-3 में बार चलाने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए सालाना दो लाख रुपये लाइसेंस शुल्क तय था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने किया हुआंग का बचाव, राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताएं

एनवीडिया सीईओ चीनी एफबीआई जांच के घेरे में, ट्रंप का मिला समर्थन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग से जुड़ा विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि संघीय जांच एजेंसी एफबीआई हुआंग के एक कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है। हालांकि, ट्रंप ने हुआंग का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें इस मामले में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल मामले में नया मोड़ आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि एफबीआई एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के कथित चीनी जासूस से संबंधों के मामले की जांच कर रही है।

ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने खुद हुआंग से फोन पर बात की है और उन्हें विश्वास है कि हुआंग इस मामले से बिना किसी बड़ी परेशानी के बाहर निकल आएंगे। उन्होंने हुआंग को एक सम्मानित व्यक्ति बताते हुए कहा कि हुआंग ने उनसे कहा कि उन्हें इस बात की बिल्कुल जानकारी नहीं थी कि जिस महिला के साथ उनके विवाहेतर संबंध थे, वह कथित तौर पर चीन के लिए जासूसी कर रही थी। ट्रंप ने हुआंग की बात पर भरोसा जताया है। दरअसल, जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला के साथ विवाहेतर संबंधों की खबर सामने आई थी। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया था कि वह संबंधित महिला चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। हुआंग ने विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की है, लेकिन उन्होंने जासूसी गतिविधियों की जानकारी होने से इनकार किया है। एफबीआई के अलावा एनवीडिया ने भी मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा है कि फिलहाल ऐसा मानने



की कोई वजह नहीं है कि एनवीडिया की गोपनीय जानकारी या अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हुआ है, लेकिन संवेदनशील कारोबारी या तकनीकी जानकारी तक बाहरी पहुंच की जांच की जाएगी। हुआंग ने भी जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस मामले पर अमेरिकी संसद की भी कड़ी नजर है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने विस्तृत जांच में दिलचस्पी दिखाई है। एनवीडिया दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण एआई चिप निर्माता कंपनियों में शामिल है, और उसकी तकनीक का इस्तेमाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा बड़े डेटा सेंटर में होता है। ऐसे में कंपनी की संवेदनशील तकनीक या कारोबारी जानकारी किसी विदेशी सरकार तक पहुंचने की आशंका राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। दूसरी ओर, चीन ने इस पूरे मामले में अपनी किसी भी तरह की भूमिका से इनकार करते हुए आरोपों को निराधार बताया है। एफबीआई की जांच और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के बीच सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार में एनवीडिया के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा गिर गए।

डीजीटीआर ने चार देशों से एल्यूमीनियम उत्पादों की डंपिंग की जांच शुरू की

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई ने घरेलू उत्पादकों को राहत देने के लिए स्वतः संज्ञान लिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से आयातित एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को इन सस्ते आयातों से होने वाले नुकसान से बचाना है। आमतौर पर ऐसी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन पर शुरू होती है, लेकिन उद्योगों के पास अक्सर आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता की कमी होती है। इसी वजह से डीजीटीआर ने स्वयं इस मामले को उठाया है। एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई), जो 228 निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, के अभ्यावेदनों के आधार पर महानिदेशालय ने पाया कि डंपिंग के कारण आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है।



जांच के दायरे में खिड़कियों, दरवाजों, सौर ऊर्जा संयंत्रों की संरचनाओं, फर्नीचर और साइकिल के पुर्जों जैसे औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विभिन्न एल्यूमीनियम उत्पाद शामिल हैं। डीजीटीआर डंपिंग के अस्तित्व, उसकी मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएगा। यदि डंपिंग साबित होती है, तो महानिदेशालय घरेलू उद्योग को हुए नुकसान की भरपाई के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, देश अपने घरेलू उद्योगों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए ऐसे शुल्क लगा सकते हैं। भारत पहले भी चीन सहित विभिन्न देशों से आने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। यह विस्तार 24 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा, जिससे बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा। केंद्रीय बैंक ने खराब प्रशासनिक मानकों के चलते यह कदम उठाया है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि समीक्षा के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा है कि सार्वजनिक हित में बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी है। बैंक में खराब प्रशासनिक मानकों से जुड़ी गंभीर चिंताओं के कारण आरबीआई ने नवंबर, 2023 में उसके निदेशक मंडल को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था। यह तीसरी बार है जब निदेशक मंडल की बहाली को टाला गया है। एसबीआई के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक प्रशासक के रूप में बने रहेंगे, जिन्हें मौजूदा सलाहकार समिति के सदस्य वेंकटेश हेगड़े, देवेंद्र कुमार और सुहास गोखले सहयोग देंगे।

हिमाचल में एनपीके उर्वरक की आपूर्ति बहाल, किसानों को मिली राहत



2,700 टन एनपीके 12-32-16 पहुंचा, इफको ने की पुष्टि, बढ़ी कीमतों से किसान परेशान

एजेंसी ■ ऊना

हिमाचल प्रदेश में गेहूं की बुवाई से पहले किसानों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने राज्य को लगभग 2,700 मीट्रिक टन एनपीके (12-32-16) उर्वरक की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी है, जिससे कृषि कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इफको के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि यह महत्वपूर्ण खेप राज्य पहुंच चुकी है और इसे किसानों के बीच वितरित भी कर दिया गया है।

एनपीके 12-32-16 एक उच्च फॉस्फोरस वाला मिश्रित उर्वरक है जो पौधों के शुरुआती विकास, जड़ों की वृद्धि और फूल आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इफको के एक अधिकारी ने बताया कि गुजरात से आई इस पहली खेप के बाद, इतनी ही मात्रा की एक और आपूर्ति का अनुरोध किया गया है, जिसके जल्द पहुंचने की उम्मीद है। उर्वरक वितरण श्रृंखला को मजबूत करने और यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास भी जारी हैं, हालांकि यूरिया आवंटन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। हालांकि, इस सकारात्मक खबर के साथ एक चिंता भी जुड़ी है। नई दरों को लेकर किसान आक्रोशित हैं, क्योंकि पिछले साल 1,900 रुपये प्रति बोरी मिलने वाला एनपीके अब 2,450 रुपये का हो गया है। बावजूद इसके, सरकार ने आश्वासन दिया है कि किसानों को इस बढ़ी हुई कीमत पर सब्सिडी मिलती रहेगी।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील के दाम

साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय घरेलू उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे घर का बजट प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स के साथ-साथ मोती गुलाब जैसे साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। इस मूल्य वृद्धि के बाद अब कपड़े धोना और अन्य घरेलू सफाई उत्पाद खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश का 1 किलोग्राम पैक अब 235 रुपये के बजाय 245 रुपये में मिलेगा, जबकि इसके 500 ग्राम वाले पैक की कीमत भी 123 रुपये से बढ़कर 128 रुपये हो गई है। रिन और व्हील डिटर्जेंट पाउडर के 1 किलोग्राम पैक में भी 3 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह, मोती गुलाब साबुन का 150 ग्राम पैक अब 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये का हो गया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एचयूएल ने बढ़ती कच्चे माल की लागत और उत्पादन खर्चों के दबाव को इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। कंपनी का मानना है कि मुनाफा बनाए रखने के लिए ऐसी सीमित बढ़ोतरी आवश्यक है। इस कदम का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा, क्योंकि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले ये घरेलू सामान अब पहले से महंगे मिलेंगे।

चीन का व्यापार अधिशेष फिर 1 लाख करोड़ डॉलर के पार

हांगकांग। चीन ने लगातार दूसरे साल एक लाख करोड़ डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक का व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मजबूत निर्यात और विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर के बीच चीन का व्यापार अधिशेष 1.04 लाख करोड़ डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में सालाना आधार पर 35.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर और मोटर वाहन जैसे उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रमुख रहे। हालांकि, आयात में भी 41.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जिसके चलते अक्टूबर का व्यापार अधिशेष सितंबर के 133.5 अरब डॉलर से घटकर 105.3 अरब डॉलर रह गया। इसके बावजूद, चीन पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष को पार करने की राह पर है।

एनबीएफसी ब्याज दरें और प्रोसेसिंग फीस बढ़ाने की कर रहा तैयारी

कर्ज लेने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर बढ़ सकता है बोझ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अगर आपने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) से कर्ज लिया है या भविष्य में लेने की योजना बना रहे हैं, तो आने वाले दिनों में आपकी जेब पर बोझ बढ़ सकता है। दरअसल, एनबीएफसी कंपनियां अब लोन की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने क्रेडिट लिंक्ड इंश्योरेंस पॉलिसी बेचने पर मिलने वाले कमीशन को सीमित करने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एनबीएफसी की कमाई पर सीधा असर पड़ने वाला है। क्रेडिट लिंक्ड इंश्योरेंस वह बीमा पॉलिसी होती है जो किसी कर्ज के साथ जुड़ी होती है, जैसे होम लोन या पर्सनल लोन



के साथ दिया जाने वाला बीमा। अभी तक एनबीएफसी कंपनियां इन पॉलिसियों को बेचकर अच्छा कमीशन कमाती थीं, लेकिन आईआरडीएआई के नए प्रस्ताव के बाद यह कमाई काफी कम हो जाएगी।

नियामक ने सिंगल प्रीमियम क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस पर 2 फीसदी, मल्टी ईयर क्रेडिट लाइफ पॉलिसी पर 2.5 फीसदी और क्रेडिट लिंक्ड हेल्थ इंश्योरेंस पर 5 फीसदी कमीशन की सीमा प्रस्तावित की है। अपनी आय में होने वाली इस कमी को पूरा करने के लिए, एनबीएफसी कंपनियां अब कर्ज की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस में बदलाव करने पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बजाज हाउसिंग फाइनेंस जैसी कंपनियां किफायती होम लोन सेगमेंट में प्रोसेसिंग फीस और मार्जिन बढ़ाकर नुकसान की भरपाई करने की सोच रही हैं।

कम फैट वाला दूध, जीएसटी कटौती और बढ़ती मांग ने बढ़ाया आर्थिक बोझ

रिकॉर्ड दूध उत्पादन के बावजूद घी के दाम बेकाबू, क्या है वजह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रसोई का स्वाद बढ़ाने वाला घी अब जेब पर भारी पड़ रहा है। देश में दूध उत्पादन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बावजूद, घी के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। इस विरोधाभास के पीछे दूध में फैट की कमी और बाजार की बदलती मांग जैसे कई जटिल कारण जिम्मेदार हैं, जो त्यौहारों से लेकर रोज़मर्रा के खाने तक, हर जगह उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं। बाजार में घी की बढ़ती कीमतें अब उपभोक्ताओं के बजट को बिगाड़ रही हैं। अमूल जैसी प्रमुख डेयरी कंपनियां भी अपने घी और मक्खन के दाम बढ़ा चुकी हैं, जिससे त्योहारों पर मिठाइयां बनाने और रोजमर्रा के खाने में घी का इस्तेमाल महंगा हो गया है।

हैरानी की बात यह है कि देश में दूध का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद डेयरी कंपनियों को घी और मक्खन बनाने के लिए आवश्यक दूध में फैट (वसा) की कमी का सामना करना पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार भारत में दूध का उत्पादन 2016 में 165.1 मिलियन टन था, जो 2025 तक बढ़कर 216.5 मिलियन टन हो गया है। इस उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, कंपनियों को दूध में फैट की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पा रही है। दूध में दो मुख्य ठोस तत्व होते हैं- फैट और एसएनएफ (नॉन-फैट सॉलिड)। घी और मक्खन के लिए फैट अत्यंत आवश्यक



होता है, और इसी फैट की कमी कीमतों में उछाल का एक बड़ा कारण बन रही है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2026 के बीच डेयरी कंपनियों के स्तर पर मक्खन की औसत कीमत 348 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 537 रुपये प्रति किलो हो गई है, यानी इसमें लगभग 54.3 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी अवधि में स्किम्ड मिल्क पाउडर की कीमत भी 250 रुपये से बढ़कर 295 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। इन कीमतों में वृद्धि के पीछे कई अन्य कारक भी जिम्मेदार हैं। 22 सितंबर 2025 से घी, मक्खन और पनीर पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई थी। जीएसटी कम होने से इन उत्पादों की मांग को भारी बढ़ावा मिला, जिससे दूध में मौजूद फैट की आवश्यकता और बढ़ गई। जीएसटी में कटौती के बाद हाई-फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी आई है। इसके अतिरिक्त, सितंबर 2024 में तिरुपति मंदिर के लड्डू विवाद के बाद मिलावटी घी बेचने वालों के खिलाफ एफएसएसएआई की कार्रवाई तेज हुई है, जिससे बाजार में शुद्ध और उच्च फैट वाले डेयरी उत्पादों की मांग में और वृद्धि हुई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिली है। महज दो कारोबारी दिनों में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 6.5 प्रतिशत से अधिक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने की उम्मीदें हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं को कम किया है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड 91.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई 86.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले ब्रेंट करीब 6.47 फीसदी और डब्ल्यूटीआई 5.24 फीसदी सस्ता हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यदि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ती है तो अमेरिका की ओर से नए हमले होने की संभावना कम है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजार में पर्याप्त तेल आपूर्ति भी कीमतों पर दबाव डाल रही है, पिछले सप्ताह भी ब्रेंट क्रूड में 16 फीसदी की बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखी गई थी।

ब्रीफ न्यूज

वेस्टइंडीज-बांग्लादेश टेस्ट ड्रॉ होने से डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में आया बदला

सिलहट। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच यहां खेले गये दूसरे और अंतिम टेस्ट के ड्रॉ होने से वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस परिणाम से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की अंकतालिका में भी बदलाव आया है। भारतीय टीम के स्थान में हालांकि कोई बदलाव नहीं आया है और वह चौथे स्थान पर ही बरकरार है। इस ड्रॉ के कारण, डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में वेस्टइंडीज का प्रतिशत अंक (पीसीटी) 26.92 से बढ़कर 27.38 हो गया है, जिससे वह फिलहाल 9 टीमों की तालिका में आठवें स्थान पर है। कैरेबियन टीम इस सूची में श्रीलंका से थोड़ा पीछे है, जो 33.33 पीसीटी के साथ सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश के लिए यह ड्रॉ निराशाजनक रहा, क्योंकि उसका पीसीटी 47.62 से घटकर 45.83 रह गया है। इस गिरावट ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और भी झटका दिया है। अंकतालिका में न्यूजीलैंड 72.22 पीसीटी के साथ नंबर एक बरकरार है। वहीं दक्षिण अफ्रीका 71.43, ऑस्ट्रेलिया 61.23 और भारत 51.51 अंक लेकर दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। बांग्लादेश न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के पीछे पांचवें स्थान पर फिसल गयी है।

बारिश के कारण ड्रॉ रहा भारत ए और न्यूजीलैंड ए का मुकाबला

लिंकन। यहां भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेला गया तीसरा और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट मैच भारी बारिश के कारण ड्रॉ रहा। इस मैच में भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 464 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ए टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 36 रन बनाए थे तभी बारिश शुरु हो गयी। इसके कारण आगे खेल नहीं हो पाया। इस मुकाबले के ड्रॉ होने से भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नुकसान हुआ है। बुमराह एक भी गेंद नहीं फेंक पाये। ऐसे में उन्हें टेस्ट सीरीज के लिए मैच अभ्यास नहीं मिल पाया। वहीं युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने इंडिया 'ए' के लिए नई गेंद से कुछ शुरुआती ओवर फेंके जिससे उन्हें लय मिल गयी। जहां गेंदबाजों को अभ्यास का अवसर नहीं मिला। वहीं शुरुआती दिनों में मौसम साफ होने भारतीय बल्लेबाजों ने लंबी पारी खेलकर अच्छा अभ्यास हासिल किया। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लगातार अपना दूसरा शतक लगाते हुए 102 रनों की पारी खेली। वहीं साई सुदर्शन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 88 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल इस मैच में असफल रहे और 15 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान ध्रुव जुरेल ने भी 95 गेंदों पर 71 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि मध्य क्रम में तिलक वर्मा 81 रन बनाकर नाबाद रहे। वाशिंगटन सुंदर ने भी 50 रनों का योगदान दिया और अनुभवी रवींद्र जडेजा ने 71 गेंदों में 25 रन की उपयोगी पारी खेली।



सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों में चीन की वांग यूजी महिलाओं के प्रीमिनलरी राउंड में किक लगाती हुई।

टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने टेस्ट क्रिकेट में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट फॉर्मेट में 7000 रन पूरे करने वाले बांग्लादेश के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।

उन्होंने यह ऐतिहासिक कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ सिल्हट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हासिल किया। इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाते ही रहीम ने 7000 टेस्ट रनों का आंकड़ा छू लिया, जिससे उनका नाम बांग्लादेशी क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। सिल्हट टेस्ट में बांग्लादेश को चौथी पारी में 387 रनों का विशाल लक्ष्य मिला था। बांग्लादेश का दूसरा विकेट महज 40 रनों पर गिर गया, जिसके बाद मुश्फिकुर रहीम नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने आए और अपनी पारी के शुरुआती 9 रन बनाते ही इस ऐतिहासिक मील के पत्थर पर पहुंच गए। पहली पारी में वह 34 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उनकी यह छोटी सी पारी उनके करियर का सबसे बड़ा क्षण बन गई। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुश्फिकुर रहीम के अलावा कोई भी अन्य बांग्लादेशी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 6000 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर मोमिनुल हक हैं, जिनके नाम 5293 रन हैं, जबकि तमीम इकबाल 5134 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह आंकड़े रहीम की निरंतरता और टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान को बखूबी दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, मुश्फिकुर रहीम बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज भी हैं। बतौर विकेटकीपर उन्होंने अब तक 3515 रन बनाए हैं, और इस सूची में भी वह सबसे आगे हैं। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने बतौर विकेटकीपर 2990 रन बनाए हैं। दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो, वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 356 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 386 रन बनाकर पहली पारी में 30 रनों की मामूली बढ़त हासिल की।

अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज रहमान के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

एक ही टेस्ट की दोनो पारियों में 150 से अधिक रन दिये

एजेंसी ■ शारजाह

जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट मैच में अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज जिया-उर-रहमान के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में रहमान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान कुल 343 रन दिये और वह 149 साल के टेस्ट इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन दिए हैं। 28 रहमान ने इस ऐतिहासिक मैच में कुल चार विकेट लिए।

उन्होंने पहली पारी में 170 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 173 रन देकर दो विकेट लिए। इस तरह, अफगानिस्तान के लिए अपना छठा टेस्ट मैच खेल रहे रहमान ने कुल 343 रन देकर सभी को हैरान कर दिया। गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट का पहला मैच 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ था तब से लेकर आज तक, किसी भी गेंदबाज ने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन नहीं दिए थे। . वहीं रहमान 343 रन देकर एक अनचाहे क्लब का हिस्सा बन गये हैं। वहीं टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे महंगे गेंदबाजी आंकड़ों का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज चक



फ्लीटवुड-स्मिथ के नाम है, जिन्होंने अगस्त 1938 में द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 87 ओवर फेंकते हुए 298 रन खर्च किए थे. इसके बाद अगस्त 1997 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ भारत के राजेश चौहान ने 78 ओवरों में 276 रन दिए थे. हालांकि, इन व्यक्तिगत पारी के आंकड़ों से अलग, जिया-उर-रहमान का रिकॉर्ड दोनों पारियों में अत्यधिक रन देने का है, जो किसी के नाम नहीं है। उन्होंने इस मैच में तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल भी किया। इस सूची में सबसे ऊपर वेस्टइंडीज के महान गेंदबाज टॉमी स्कॉट हैं, जिन्होंने 1930 में किंग्स्टन में इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में रिकॉर्ड 374 रन दिए थे. दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के जेसन क्रेजा हैं, जिन्होंने 2008 में नागपुर में भारत के खिलाफ 358 रन लुटाए थे। कुल मिलाकर, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक केवल छह गेंदबाजों ने सात बार 300 से अधिक रन दिए हैं, जिसमें जिया-उर-रहमान का नाम भी शामिल हो गया है।

प्रधानमंत्री ने देश के 100वां ग्रैंडमास्टर बने अनुज को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल के अनुज श्रीवात्री को भारत का 100वां शतरंज ग्रैंडमास्ट बनने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने अनुज की इस उपलब्धि पर प्रशंसा करते सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक पूरा किया है। अब देश में 100 ग्रैंडमास्टर्स हो गये है। भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज को बधाई। यह कितनी शानदार उपलब्धि है। उन्होंने लिखा, भारत के लिए 100 ग्रैंडमास्टर्स तक पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ हमारे युवाओं में शतरंज के प्रति बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। प्रधानमंत्री ने लिखा, देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाओं को उभरते हुए और वैश्विक स्टेज पर अपनी पहचान बनाते हुए देखना खास खुशी की बात है। उम्मीद है कि यह उपलब्धि और भी कई युवाओं को शतरंज में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के रहने वाले अनुज श्रीवात्री रविवार को फिलीपींस में 7वीं आसियान प्लस टूर्नामेंट में जीत के साथ ही भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। अनुज की टूर्नामेंट में शुरुआत हालांकि निराशाजनक रही। वो प्रतियोगिता में अपनी पहली बाजी हार गए थे। उसके बाद उन्होंने शानदार और दमदार प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से सात अंक हासिल किए और खिताब जीता।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया में बड़े बदलाव

अय्यर संभालेंगे कप्तानी और कोचिंग स्टाफ में भी फेरबदल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे वनडे मैच के बाद टीम इंडिया में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जो आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। मंगलवार, 10 नवंबर को होने वाले इस मैच के बाद, श्रेयस अय्यर चौथे और पांचवें वनडे मैच के लिए भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ में भी रणनीतिक बदलाव किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, हेड कोच गौतम गंभीर और स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले चौथे और पांचवें वनडे मैच के लिए टीम के साथ माउंट माउंगानुई जाएंगे। वहीं, बैटिंग कोच सीतांशु कोटक और तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल वेलिंगटन में होने वाले प्री-सीरीज कैंप में टेस्ट स्क्वॉड के साथ जुड़ेंगे। यह बदलाव न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को पर्याप्त तैयारी का समय देने के उद्देश्य से किया गया है। सीतांशु कोटक ने सोमवार को हैमिल्टन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस योजना की पुष्टि करते हुए कहा कि गौतम गंभीर और साईराज बहुतुले वनडे टीम के साथ रहेंगे, जबकि वह मोर्ने मोर्केल और कुछ अन्य स्टाफ के साथ वेलिंगटन जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि योजनाएं लचीली हैं और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव भी हो सकता है। कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों की फिटनेस और अभ्यास पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे वे टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें। कोटक ने यह भी बताया कि भारत की वनडे टीम के तीन तेज गेंदबाज संभवतः गुरनूर बरार, आकिब नबी और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम की मदद के लिए नेट बॉलर और रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर न्यूजीलैंड में ही रुकेंगे। भारतीय टीम की इस योजना के तहत, कोटक और मोर्केल 11 फरवरी को कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और मोहम्मद सिराज, तथा कुलदीप यादव के साथ वेलिंगटन के लिए रवाना होंगे। ये सभी खिलाड़ी चौथे और पांचवें वनडे का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि सीधे टेस्ट तैयारियों में जुटेंगे। गौतम गंभीर और साईराज बहुतुले तीनों तेज गेंदबाजों के साथ, पांचवें वनडे के अगले दिन, 16 फरवरी को माउंट माउंगानुई से वेलिंगटन की यात्रा करेंगे।

राहुल के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव को सही नहीं मानते दिग्गज

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम में हुए बदलाव को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ विशेषज्ञों ने टीम प्रबंधन के इस फैसले पर निराशा जतायी है। वहीं अन्य दिग्गजों ने इसे एक सोची-समझी रणनीतिक चाल बताया है। यह बहस तब शुरू हुई जब भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 39 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। रही थी और इस नाजुक स्थिति में केएल राहुल से पहले ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। इस मैच में अक्षर विफल रहे थे। हालांकि उन्होंने पहले भी कठिन हालातों में में बल्लेबाजी संभाली थी पर इस बार वह न्यूजीलैंड के धारदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने बेबस दिखे। पिच की असमान उछाल और शॉर्ट-पिच गेंदों के सामने वह टिक नहीं पाये और 17 गेंदों में केवल सात रन ही बना पाये। वहीं गए जब अक्षर के आउट होने के बाद राहुल क्रीज पर आए, तो



पिच पर काफी सहज नजर आए, जहां दोनों टीमों के ज्यादातर बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हो रही थी। राहुल के इस प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे भेजने के फैसले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कुछ पूर्व क्रिकेटरों और खेल जानकारों ने टीम प्रबंधन के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राहुल एक अनुभवी और स्थापित बल्लेबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए तीसरे और चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक बनाए हैं। ऐसे में उन्हें निचले क्रम में सीमित भेजन गलत था। ये उनकी क्षमता का उपयोग नहीं करना है। इन जानकारों का मानना है कि राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे जो दूसरे एकदिवसीय में कठिन हालातों में भी में सहज दिख रहे थे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जब परिस्थितियां कठिन होती हैं तो अक्सर विराट कोहली और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी ही आगे आकर टीम को संभालते हैं। उन्होंने अक्षर को राहुल से ऊपर भेजने के फैसले के पीछे के तर्क को भी गलत बताया। वहीं अन्य पूर्व कप्तानों और विशेषज्ञों की राय इस मामले में अलग थी। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों की लय तोड़ने के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाजों से पहले बाएं हाथ के बल्लेबाज को भेजने के विचार का समर्थन किया है। इन जानकारों ने बताया है कि जब कोई बाएं हाथ का बल्लेबाज क्रीज पर आता है, तो गेंदबाजों को अपनी लाइन और लेंथ में बदलाव करना पड़ता है, जो वे दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए निर्धारित करते हैं।



इंडियन वेल्स में डब्लयूटीए टेनिस फाइनल्स में खेलती हुई बेलारुस की आर्यना सबालेंका।

सविता पूनिया की जगह बंसरी सोलंकी शामिल

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए भारतीय टीम घोषित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने आगामी महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी गोलकीपर सविता पुनिया की जगह मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होगी।

सलीमा को पहली बार कप्तानी मिली है। वहीं सविता को टीम में भी जगह नहीं दी गयी है। सविता की जगह पर बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम को गोलकीपर के तौरपर रखा गया है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपनी खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारतीय टीम ने साल 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीते हैं। अब उसका लक्ष्य खिताब की हैट्रिक लगाना रहेगा।

इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेजबान भारतीय टीम के अलावा चीन, जापान, मलेशिया,



थाईलैंड और साउथ कोरिया की टीमें भी खेलेंगी। ये टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा, जहाँ प्रत्येक टीम अन्य पाँच टीमों से एक बार भिड़ेगी। लीग स्टेज के अंत में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, यह एक ऐसा मौका है जब मैं अन्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रय स्तर स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देना चाहता हूँ। कुछ खिलाड़ियों को उनकी सामान्य पोजीशन से हटकर अन्य भूमिकाओं में आज़माने का भी विचार है, ताकि हम देख सकें कि वे अलग रोल में कैसा प्रदर्शन करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा। मुकाबले का सेमीफाइनल 27 नवंबर को और फाइनल 28 नवंबर को खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम

डिफेंडरः निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू

मिडफील्डरः रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

फॉरवर्डः नवनीत कौर, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेमसियामी, मुमताज खान।

आने वाले समय में फुटबॉल मुकाबलों में भी स्टेडियम भरे रहेंगे : जॉन अब्राहम

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने कहा है कि आने वाले समय में फुटबॉल स्टेडियम भी दर्शकों से भरे नजर आयेंगे। जॉन अब्राहम अभिनेता होने के साथ ही एक फुटबॉल टीम के भी मालिक हैं। जॉन का कहना है कि वह ये बात हवा में नहीं कहा रहे हैं। उनका मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जिस प्रकार दर्शकों की संख्या बढ़ी है। वह दिखाता है कि अब लोग फुटबॉल भी देखना चाहते हैं। इसलिए आने वाले समय में भारी संख्या में लोग लगे मैच देखने पहुंचेंगे। उनके अनुसार देश में फुटबॉल को देखने और पसंद करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गौरतलब है कि आईएसएल सत्र के शुरुआती सप्ताह में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छी प्रतिक्रिया रही। जॉन अब्राहम के मुताबिक, पहले सप्ताह के शुरुआती पांच मैचों को यूट्यूब पर 6.5 करोड़ व्यूज मिले, जबकि 5.2 करोड़ दर्शकों तक इसकी पहुंच बनी। इन आंकड़ों को भारतीय फुटबॉल के लिए वह सकारात्मक संकेत मानते हैं। जॉन ने कहा कि वह लीग के सभी मुकाबले देख रहे हैं और उन्हें काफी मजा आ रहा है। उन्होंने यूट्यूब पर मिल रही दर्शक संख्या को रिकॉर्ड तोड़ने वाला बताया। जॉन के मुताबिक, भारत में फुटबॉल के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है और वह दिन दूर नहीं जब स्टेडियम पूरी तरह दर्शकों से भरे नजर आएंगे।जॉन ने आईएसएल में अपनी टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का मुकाबला देखा। इस मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने चर्चिल ब्रदर्स को 2-0 से हराया। टीम की जीत के साथ-साथ ही जॉन ने भारतीय फुटबॉल की लोकप्रियता और भविष्य को लेकर भी अपनी उम्मीदें जाहिर कीं। गौरतलब है कि आईएसएल के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिल रही लोकप्रियता को वास्तविक रुप में लाने दर्शकों को स्टेडियम में खींचना है।

ब्रीफ न्यूज

कल भोपाल आएंगे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए देशभर के नेताओं के भोपाल आने का सिलसिला जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 नवंबर गुरुवार को भोपाल पहुंचेंगे। वे शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर उनकी मां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। रक्षा मंत्री के कार्यक्रम के मुताबिक, वे 12 नवंबर को शाम 4:40 बजे भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से शाम 5:15 बजे होशंगाबाद रोड स्थित वृंदावन गार्डन पहुंचेंगे। उनका यहां शाम 5:15 से 5:35 बजे तक का कार्यक्रम रखा गया है। शाम 6:05 बजे वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और दिल्ली लौट जाएंगे।

डिंडौरी के किसानों को सब्सिडी पर मिलेगा चना

भोपाल। किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग द्वारा रबी सीजन अंतर्गत नगद बीज वितरण योजना के तहत जिले के सभी विकासखंडों में चना व मसूर बीज का भंडारण पूर्ण कर लिया गया है। योजना के माध्यम से किसानों को निर्धारित अनुदान पर प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे किसान रबी फसलों की बोवनी के लिए समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज प्राप्त कर सकेंगे। योजना के अंतर्गत मसूर बीज की 5 वर्ष से अधिक अवधि वाली किस्मों पर 75 प्रतिशत अथवा 9000 रुपये प्रति क्विंटल, जो भी कम हो, अनुदान दिया जाएगा। शासन द्वारा मसूर बीज की निर्धारित विक्रय दर 108 रुपए प्रति किलोग्राम रखी गई है। इसमें 81 रुपये प्रति किलोग्राम अनुदान व मात्र 27 रुपए प्रति किलोग्राम कृषक अंश निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार चना बीज की 5 वर्ष तक की अवधि वाली किस्मों पर 75 प्रतिशत अथवा 6000 रुपए प्रति क्विंटल, जो भी कम हो, अनुदान दिया जाएगा।

57 जिला स्तरीय ब्लड सेंटर्स को हब सेंटर्स से किया मैप

भोपाल। प्रदेश में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए एनएटी जांच सुविधा का विस्तार किया गया है। पूर्व में यह सुविधा प्रदेश के केवल दो हब सेंटर्स तक सीमित थी, जिसे अब विस्तारित कर पाँच संभागों के शासकीय ब्लड सेंटर्स तक उपलब्ध कराया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं रीवा स्थित पाँच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को एनएटी जाँच के हब सेंटर के रूप में स्थापित किया गया है। इनसे प्रदेश के विभिन्न जिलों के 57 स्पोक ब्लड सेंटर्स को मैप किया गया है। दिनांक 23 अक्टूबर 2026 से सभी पांच हब सेंटर्स पर ID-NAT मशीनों की स्थापना कर जाँच का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। एनएटी जाँच सुविधा प्रारंभ होने से रक्त में संक्रमणों की पहचान विंडो पीरियड के दौरान भी संभव हो सकेगी। इस तकनीक के माध्यम से संक्रमण की पहचान की अवधि लगभग 45 दिनों से घटकर 5 दिन तक हो सकेगी। इससे संक्रमित रक्त के ट्रांसफ्यूजन का जोखिम कम होगा तथा मरीजों को अधिक सुरक्षित रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

बिरसा मुंडा जयंती पर जबलपुर, धार और खंडवा में होंगे राज्यस्तरीय समारोह

कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ दिवस दिए, हमने दिया मान

वेब वार्ता, भोपाल

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती यानी जनजातीय गौरव दिवस पर मध्यप्रदेश में 14 से 16 नवंबर तक तीन बड़े राज्यस्तरीय आयोजन होंगे। 14 नवंबर को जबलपुर से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। 15 नवंबर को धार में मुख्य आयोजन के दौरान डही में नर्मदा जल से जुड़ी करीब 2500 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा। इससे धार और अलीराजपुर के 300 गांवों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। 16 नवंबर को खंडवा में राज्यस्तरीय कार्यक्रम के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस



कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा की मूल सोच में बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, कांग्रेस ने जनजातीय समाज को सिर्फ एक तारीख और 'आदिवासी दिवस' के दायरे में सीमित रखा, जबकि भाजपा जननायकों को उनके नाम, जन्म जयंती और बलिदान दिवस के गौरव के साथ समाज के सामने ला रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का भौगोलिक दायरा बड़ा होने के कारण जनजातीय गौरव दिवस का उल्लास तीन अलग-अलग अंचलों में मनाया जाएगा। आयोजनों के दौरान जनजातीय क्षेत्रों, युवाओं और समाज के स्वावलंबन के लिए शिक्षा, रोजगार और आजीविका से जुड़ी नई योजनाओं की घोषणाएं भी की जा सकती हैं। स्कूल, कॉलेज और तकनीकी संस्थानों में प्रार्थना सभाओं के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के योगदान और जनजातीय समाज की अस्मिता पर संवाद किया जाएगा। विद्यार्थियों को इस विषय से जुड़ा साहित्य भी वितरित किया जाएगा।

इसके साथ प्रदेश में स्वीकृत जनजातीय संग्रहालयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। जरूरत के अनुसार दूरस्थ क्षेत्रों के लिए मोबाइल जनजातीय म्यूजियम की व्यवस्था करने पर भी विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में मध्यप्रदेश से सावित्री ठाकुर और डीडी उइके केंद्रीय मंत्री के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार की कैबिनेट में कुंवर विजय शाह, संपतिया उइके, नागर सिंह चौहान, निर्मला भूरिया और राधा सिंह मंत्री हैं। जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों के तहत प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर शोध पीठ स्थापित करने की योजना है।

जननायकों के नाम पर संस्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद से जनजातीय नायकों को सम्मान देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर जबलपुर में और उनकी ऐतिहासिक राजधानी सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई थी। इसके अलावा राजा भभूत सिंह की स्मृति में पचमढ़ी में भी विशेष कैबिनेट बैठक हुई थी। खरगोन की यूनिवर्सिटी का नाम क्रांतिसूर्य टंट्या मामा और मंडला मेडिकल कॉलेज का नाम राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर रखा गया है। जनजातीय किसानों के लिए रानी दुर्गावती के नाम से 'श्रीअन्न कोदो-कुटकी उपार्जन योजना' शुरू की गई है। इसमें अलग से बोनस का प्रावधान किया गया है।

भारत कैसे बदला है, देश की जनता और दुनिया इसकी गवाह है : सीएम

डॉ. मोहन यादव ने 1211.34 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों को बांटे मुआवजे के चेक

उज्जैन में 17 को किया जाएगा जू एंड रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत कैसे बदला है, देश की जनता और दुनिया इसकी गवाह है। मध्यप्रदेश सहित देशभर में धार्मिक पर्यटन को गति दी जा रही है, उज्जैन में तीर्थाटन में हुई वृद्धि से बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। पीएम मोदी की दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक का निर्माण हुआ। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन, तीर्थ क्षेत्रों के विकास में सम्पूर्ण बदलाव हुआ है। राज्य सरकार ने उज्जैन सहित प्रदेश के टियर 2 शहरों में अधोसंरचना विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण



मार्केट बनाकर दी जाएंगी दुकानें : मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में 17 को बहुप्रतीक्षित जू और रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन किया जाएगा। उज्जैन में सड़कों के चौड़ीकरण कार्य के लिए स्वेच्छा से अपना मकान छोड़ने वाले परिवारों को मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में निःशुल्क आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार जिनकी दुकानें टूटी हैं, उन्हें उज्जैन की खाली जमीन पर मार्केट विकसित कर दुकानें दी जाएंगी। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए किसानों को जमीन अधिग्रहण के 4 गुना मुआवजा के चेक प्रदान किए गए हैं। हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ, सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भाईदूज की शुभकामनाएं दी।

और पर्व-त्योहारों को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिनमें प्रदेश की जनता पूर्ण रूप से सहभागी बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ कुंभ 12 वर्ष में एक बार आता है। शहर के विकास के लिए उज्जैन में आज 1200 करोड़ से अधिक के नए विकास कार्यों और जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है। इसमें शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध अंगारेश्वर महादेव मंदिर भी शामिल है। पृथ्वी पर जीवों की 84 लाख योनियों के आधार पर ही यह प्राचीन शिव मंदिर, 84 महादेव यात्रा में प्रमुख स्थान रखता है। उज्जैन में उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ गढ़कालिका माता के तीर्थ क्षेत्र में भी विकास कार्यों का भूमि-पूजन हो रहा है। सांदीपनि आश्रम के कारण भी उज्जैन का अपना अलग स्थान है। उज्जैन स्थित सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नई सड़कों और सीवर लाइन का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने शहडोल दुर्घटना पर व्यक्त किया गहरा शोक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहडोल जिले में तालाब में डूबने से तीन किशोरों के निधन की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में परिवारजन के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत किशोरों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिजन को यह असीम दुःख सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना बाबा महाकाल से की है।

मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर से होगी

सरकारी और निजी स्कूलों के टीचर देंगे ऑफलाइन परीक्षा

वेब वार्ता, भोपाल

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मध्यप्रदेश के शिक्षकों की पहली पात्रता परीक्षा 20 दिसम्बर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को वर्ष 2028 तक तीन साल के अंतराल में पात्रता परीक्षा लेकर शिक्षकों की पात्रता की जांच करने के लिए आदेश दिया है। कोर्ट ने हर साल दो परीक्षा लेने के आदेश दिए हैं लेकिन एमपी में चालू साल में एक ही परीक्षा हो पाएगी। इसके लिए परीक्षा तिथि का निर्धारण माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कर दिया है। यह परीक्षा जिला मुख्यालयों में होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने लोक शिक्षण आयुक्त को पत्र लिखकर कहा था कि दस नवम्बर के बाद मंडल कभी भी परीक्षा कराने के लिए तैयार है। इसके लिए मंडल की ओर से शिक्षकों की पात्रता परीक्षा 13 दिसम्बर या 20 दिसम्बर में से किसी एक तिथि को कराने का प्रस्ताव भी दिया गया था। इसके बाद लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने 20 दिसम्बर को पात्रता परीक्षा



कराने पर सहमति दे दी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश वैद्य ने इस पर सहमति के बाद पात्रता परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। वैद्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार जिला मुख्यालयों में परीक्षा ली जाएगी और यह पात्रता परीक्षा सुबह 11 बजे से होगी। इसके लिए विस्तृत निर्देश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा अलग से जारी किए जाएंगे। प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों की संख्या डेढ़ लाख के करीब बताई जा रही है। इसके लिए लोक शिक्षण आयुक्त के प्रस्ताव पर कर्मचारी चयन मंडल ने पहले ऑनलाइन परीक्षा के लिए आवेदन जमा कराना शुरू किया।

ऑफलाइन की थी मांग

इस बीच शिक्षक संगठनों ने ग्रामीण अंचल में पदस्थ शिक्षकों के कम्प्यूटर चलाने की दक्षता में कमी के आधार पर ऑफलाइन परीक्षा कराने की मांग रखी। इस पर स्कूल शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद ऑफलाइन परीक्षा कराने पर सहमति बनी और परीक्षा एजेंसी कर्मचारी चयन मंडल से बदलकर माध्यमिक शिक्षा मंडल को बना दिया गया।

केवल इंसानों को नहीं, पशु-पक्षियों को भी ध्यान में रखना जरूरी: कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

पर्यावरण संरक्षण के लिए साल में 3 बार अभियान चलाएंगे शिवराज

भोपाल। राजधानी के स्मार्ट पार्क में गोवर्धन पूजा के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूजन-अर्चन के बाद पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए साल में तीन विशेष आयोजन करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 'वृक्ष मित्र परिवार' संगठन के माध्यम से ये आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस, हरियाली अमावस्या और गोवर्धन पूजा पर किए जाएंगे। शिवराज ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों की बात करते समय केवल इंसानों को नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। मीडिया से बातचीत में शिवराज ने बताया कि 'वृक्ष मित्र परिवार' नाम से एक संगठन बनाया गया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरण और अभियान चलाना है। इस मुहिम से देशभर के लोग जुड़ रहे हैं। संगठन की ओर से साल में तीन विशेष अवसरों पर बड़े स्तर पर कार्यक्रम होंगे। पहला आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस, दूसरा हरियाली अमावस्या और तीसरा गोवर्धन पूजा पर किया जाएगा।

पशु-पक्षियों के लिए जरूरी हैं पेड़: शिवराज ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति की आराधना का



पर्व है। इस दिन पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, बच्चों के जन्मदिन और पूर्वजों की पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर पौधा लगाएं। उन्होंने कहा कि जब हम आने वाली पीढ़ियों की बात करते हैं, तो उसमें केवल इंसान ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी और कीट-पतंगे भी शामिल हैं। पेड़-पौधे पूरी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र का आधार हैं। इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। शिवराज ने 19 फरवरी 2021 को नर्मदा जयंती पर प्रतिदिन एक पौधा लगाने का संकल्प लिया था। इसकी शुरुआत उन्होंने अनूपपुर जिले के अमरकंटक में रुद्राक्ष और साल का पौधा लगाकर की थी। जानकारी के मुताबिक, इस संकल्प के तहत वे अब तक देशभर में 4,500 से अधिक पौधे लगा चुके हैं। मध्य प्रदेश सहित 20 से अधिक राज्यों में उनके लगाए पौधे अब पेड़ों का रूप ले रहे हैं।

---

70 हजार शिक्षकों के एरियर्स पर सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बोली-भुगतान करने पर करीब 5600 करोड़ का पड़ेगा भार

वेब वार्ता, भोपाल

मध्यप्रदेश के करीब 70 हजार शिक्षकों को छठवें वेतनमान का एरियर्स देने के मामले में राज्य सरकार ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्रदेश की आर्थिक स्थिति का हवाला दिया है। सरकार का कहना है कि शिक्षकों को वर्ष 2006 से एरियर्स का भुगतान करने पर करीब 5600 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं, वेतनमान का लाभ देने से हर साल लगभग 1300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। सरकार ने इस खर्च को देखते हुए हाईकोर्ट के आदेश से राहत देने की मांग की है। हाईकोर्ट ने प्रदेश के करीब 70 हजार शिक्षकों को वर्ष 2006 से छठवें वेतनमान का एरियर्स देने के निर्देश दिए थे।



सरकार के अनुसार, इस आदेश का पालन करने पर एकमुश्त बड़ी राशि खर्च करनी होगी। इसके अलावा बढ़े हुए वेतन के कारण हर साल अतिरिक्त बजट की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा है कि प्रदेश के लिए इतने बड़े वित्तीय भार को वहन करना आसान नहीं होगा।

इस मामले में राज्य सरकार पहले भी सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर चुकी है, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने अपने आदेश के पालन के लिए सरकार को चार सप्ताह का समय दिया था। आदेश का पालन नहीं होने की स्थिति में सरकार को अवमानना याचिका की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। अब सरकार ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर राहत मांगी है।

तीन श्रेणियों में 70 हजार शिक्षक

छठवें वेतनमान के लाभ से जुड़े इस मामले में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक श्रेणी के करीब 70 हजार शिक्षक शामिल हैं। इनमें 35 हजार प्राथमिक शिक्षक, 20 हजार माध्यमिक शिक्षक और 15 हजार उच्च माध्यमिक शिक्षक हैं। वेतन संबंधी आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक शिक्षकों का वेतन करीब 80 हजार रुपए से बढ़कर एक लाख रुपए, माध्यमिक शिक्षकों का 95 हजार रुपए से बढ़कर 1.10 लाख रुपए और उच्च माध्यमिक शिक्षकों का एक लाख रुपए से बढ़कर 1.20 लाख रुपए तक होने का उल्लेख है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में किया आधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण

रीवा को मेडिकल हब के रूप में किया जा रहा विकसित: शुक्ल

वेब वार्ता, भोपाल

विंध्य क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई ऊंचाई देते हुए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा के संजय गांधी अस्पताल, जीएमएच और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में कई अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं और सेंटरों का लोकार्पण किया। इन सुविधाओं के शुरू होने से रीवा और आसपास के जिलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब बड़े महानगरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जटिल रोगों का इलाज अब रीवा में संभव हो गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज, संजय गांधी, जीएमएच और सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में 'स्टेट-ऑफ-द-आर्ट' सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।



मिल्क बैंक' की सौगात: नवजात शिशुओं के जीवन रक्षा और बेहतर पोषण के लिए जीएमएच अस्पताल के बाल शिशु विभाग में एक आधुनिक 'मिल्क बैंक' की शुरुआत की गई है। जिन माताओं को पर्याप्त दूध नहीं मिल पाता, उनके नवजात शिशुओं को इस बैंक के माध्यम से पॉश्चराइज्ड मिल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता और न्यूरोलॉजिकल विकास बेहतर ढंग से हो सकेगा। उपलब्ध हुई है।

चिकित्सकों की पूरी टीम के समन्वित प्रयासों से रीवा को एक बेहतरीन 'मेडिकल हब' के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के मरीजों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। शुक्ल ने संजय गांधी हास्पिटल में ब्लड ट्रांसफ्यूजन को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए लगभग 6.5 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक 'नेट' मशीन का लोकार्पण किया। इस मशीन के आने से एचआईवी हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी जैसी गंभीर बीमारियों का विंडो पीरियड संक्रमण का शुरुआती दौर में पता लग जाएगा। इस जाँच में पहले 15 दिन से 1 महीने लगते थे जो अब दो दिन में हो जाएगी। इससे कोई भी संक्रमित रक्त किसी स्वस्थ मरीज को नहीं चढ़ पाएगा।

अस्पताल में बढ़े आईसीयू बेड

बढ़ते मरीजों के दबाव और गंभीर रोगियों की सुगमता को ध्यान में रखते हुए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं का विस्तार किया गया है। हार्ट आईसीयू 10 बेड से बढ़ाकर 20 बेड कर दिया गया है। नेफ्रोलॉजी आईसीयू 5 बेड से बढ़ाकर 10 बेड में परिवर्तित किया गया है।

बच्चों की कैंसर डे केयर यूनिट

बच्चों के विशेष स्वास्थ्य और गंभीर रोगों के इलाज के लिए भी बड़े कदम उठाए गए हैं। मंदबुद्धि या संवाद में असमर्थ बच्चों के लिए आरईआईसी केंद्र का लोकार्पण किया गया है, जहां 5,000 से अधिक पंजीकृत बच्चों को ओपीडी और फिजियोथेरेपी के जरिए नियमित मार्गदर्शन व देखभाल मिलेगी।

पुलिस की 'सांख्यिकी डाटा पुस्तिका 2025' का किया विमोचन

पुस्तिका का डिजिटल संस्करण भी वेबसाइट पर उपलब्ध होगा

वेब वार्ता, भोपाल

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय, भोपाल में मध्यप्रदेश पुलिस की 'सांख्यिकी डाटा पुस्तिका-2025' का विमोचन किया। यह पुस्तिका मप्र पुलिस की संगठनात्मक संरचना, स्वीकृत बल, उपलब्ध संसाधनों एवं कार्यक्षमता का समग्र चित्र प्रस्तुत करने वाला महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज है। इसमें वर्ष 2025 के दौरान पुलिस संगठन से संबंधित महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारियों को संकलित कर सुव्यवस्थित एवं सरल स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तिका में 1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक की अवधि के आंकड़ों को शामिल किया गया है। इसके नवीनतम संस्करण को अधिक उपयोगी, तथ्यपरक एवं व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से अनावश्यक एवं दोहराव वाले आंकड़ों को हटाकर महत्वपूर्ण जानकारियों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही जटिल सूचनाओं को सरल एवं व्यवस्थित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे पुलिस अधिकारियों एवं अन्य संबंधित इकाइयों को आवश्यक जानकारी सहजता से उपलब्ध हो सकेगी।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।